रजिस्ट्री सं० डी० 222 REGISTERED No. D. 222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1973/भाद्र 31, 1895
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1973/BHADRA 31, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1973

का. आ. 2642.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 38-खारबा सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सरकार, बारोदा कान्टा, गांव तथा पोस्ट-आफिस चंचल, जिला मालदा, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपने निर्वाचन व्यय के लेखे की त्रुटियों को दूर नहीं किया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सरकार, बारोदा कान्टा को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. पश्चिमी बंगाल-वि. स./38/71(76)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 27th July, 1973

S.O. 2642.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sarkar, Baroda Kanta, Village and Post Office Chanchal, district Malda, West Bengal a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 38-Kharba constituency, held in March 1971 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not rectified the defects in his account and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sarkar, Baroda Kanta to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/38/71(76)]

73 G of I/73—1

आदेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1973

का. आ. 2643.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 207-गरहबेटा पूर्व (अ. जा.) सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चालक निरंजन, ग्राम लोचनगढ़, पो. चाटमुरा, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री चालक निरंजन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. पश्चिमी बंगाल-वि. स./207/72(77)]

ORDER

New Delhi, the 28th July, 1973

S.O. 2643.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chalak, Niranjan, Village Lochangarh, P.O. Chatmura, district Midnapore West Bengal, a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 207-Garhbeta East (SC) constituency, held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chalak, Niranjan to be disqualified for being chosen as, and for being, a members of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/207/72(77)]

आदेश

का. आ. 2644.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 210-केशीभारी (अ. जा. जा. 8) सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अनिल हेमब्रम, ग्राम कनियारी, पो. सिंगाई पुलिस स्टेशन केशीयारी जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अनिल हेमब्रम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. पश्चिमी बंगाल-वि. स./215/72(78)]

ORDER

S.O. 2644.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anil Hembram, Village Kaniary, P.O. Singai, Police Station Keshiary, district Midnapore, West Bengal, a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 210-Keshiary (ST) constituency, held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Anil Hambram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/215/72(78)]

आदेश

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1973

का. आ. 2645.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 194-नन्दीग्राम सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस. मोजम्मल हुसैन, ग्राम महम्मदपुर, पो. रामपुर नन्दीग्राम जिला मिदनापुर (पश्चिमी बंगाल) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एस. मोजम्मल हुसैन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. पश्चिमी बंगाल-वि. स. 194/72(80)]

ORDER

New Delhi, the 30th July, 1973

S.O. 2645.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sk. Mazammel Hossain, Village Mahammadpore, P.O. Rampore (Nandigram), district Midnapore (West Bengal) a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 194, Nandigram constituency, held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not lodged the account of election expenses and the Elecetion Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Sk. Mozammel Hossain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/194/72(80)]

आदेश

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1973

का. आ. 2646.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 84-नौरंगपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अभिमन्यु रथ, 2084-गौतम नगर, भुवनेश्वर-2, जिला पुरी, उड़ीसा राज्य, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अभिमन्यु रथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. उड़ीसा-वि. स./84/71]

ORDER

New Delhi, the 31st July, 1973

S.O. 2646.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abhimanyu Rath, 2084-Gautam Nagar, Bhubaneswar-2, District Puri, Orissa State, a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from 84-Nowrangpur constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abhimanyu Rath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/84/71]

आदेश

का. आ. 2647.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 82-जयपुर सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अभिमन्यु रथ, 2084 गौतम नगर, भुवनेश्वर-2, जिला पुरी, उड़ीसा राज्य, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अभिमन्यु रथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. उड़ीसा-वि. स./82/71]

ORDER

S.O. 2647.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abhimanyu Rath, 2084-Gautam Nagar, Bubhaneswar-2 District Puri, Orissa State, a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from 82-Jeypore constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abhimanyu Rath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/82/71]

आदेश

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1973

का. आ. 2648.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 304 सिमडेगा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अबनेजर लकड़ा, ग्राम व पो. आ. खूंटी टोली, डाकघर खूंटी टोली जिला रांची (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व, अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है,और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अबनेजर लकड़ा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./304/72(13)]

ORDER

New Delhi, the 6th August, 1973

S.O. 2648.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abnezar Lakra, Village & P. O. Khunti Toli, Ranchi who was a contesting candidate for election to Bihar Legislative Assembly from 304-Simdega constituency held

in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abnezai Lakra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR LA/304/72(13)]

आदेश

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1973

का. आ. 2649.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 157-वारासिवनी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अब्दुल लतीफ खां, ग्राम तथा पो. आ. रामपायली, तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अब्दुल लतीफ खां को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./157/72(5)]

ORDER

New Delhi, the 9th August, 1973

S.O. 2649.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Abdul Latif Khan, Village and Post Office Rampaili, Tahsil—Waraseoni, District. Balaghat, (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 157-Waraseoni constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Abdul Latif Khan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-2A/157/72(5)]

आदेश

का. आ. 2650.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 235-सारंगपुर (अ. जा.) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देवामालवी, ग्राम बिलोडा पूर्वीया, पो. आ. सारंगपुर, जिला राजगढ़, (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री देवामालवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./235/72(6)]

ORDER

S.O. 2650.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Deva Malvi, Village Biloda Purviya, P.O. Sarangpur, District Rajgarh (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 235-Sarangpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Devi Malvi to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-2A/235/72(6)]

आदेश

का. आ. 2651.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 312-पांकी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम प्यारे राम, गांव और डाकखाना कांडी जिला, पालामाऊ (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने व्ययों का लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम प्यारे राम को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./312/72(14)]

ORDER

S.O. 2651.—Whereas the Election Commission is satisfied that **Shri Ram Pyare Ram, Vill. & P.O. Kandi, District Palamau (Bihar)** who was a contesting candidate for election to the BIHAR Legislative Assembly from 312-Panki (Sc) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said **Shri Ram Pyare Ram** to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR/LA/312/72 (14)]

आदेश

का. आ. 2652.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 270-बरकागांव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामधारी राम गांव रतरूबा डाकखाना कटकम-सांडी हजारीबाग (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामधारी राम को संसद् के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./270/7/(15)]

ORDER

S.O. 2652.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramdhari Ram, Village RATRUBA, P.O. Katkamshandi Hazaribagh (Bihar) who was a contesting candidate for election to the BIHAR Legislative Assembly from 270 BARKAGAON (Sc) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramdhari Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR/LA/270/72 (15)]

आदेश

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1973

का. आ. 2653.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 317-बिसरामपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम बिलास राम, गांव रेगानिया, डाकखाना छपटवार, पालामाउ, (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं ,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई कारण या न्यायोचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामधारी राम को संसद् के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./317/72(16)]

ORDER

New Delhi, the 13th August, 1973

S.O. 2653.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bilas Ram, Vill : Reganla P.O. Chalarwar Palamau (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 317-Bisrampur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bilas Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR/LA/317/72 (16)]

आदेश

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1973

का. आ. 2654.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 28- चाचौड़ा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामचरण लाल मीना, डाकघर राघोगढ़, जिला गुना (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा

तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामचरण लाल मीना को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./28/72(9)]

ORDER

New Delhi, the 14th August, 1973

S.O. 2654.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramcharan Lal Mina, P. O. Raghogarh, District Guna (M.P.) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 28-Chachoura constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramcharan Lal Mina to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/28/72(9)]

आदेश

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1973

का. आ. 2655.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 47-चित्रकूट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पारसनाथ पांडे, ग्राम बडेरा कलां, पोस्ट पगार खुर्द, जिला सतना, मध्य प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री पारसनाथ पांडे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./47/72(11)]

ORDER

New Delhi, the 17th August, 1973

S.O. 2655.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Parasnath Pande, Village Badera Kalan, Post Office Pagar Khurd, District Satna (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 47-Chitrakoot constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the Peole Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Parasnath Pande to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/47/72(11)]

का. आ. 2656.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 92-सन्देशखाली (अ. ज. जा) सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुधीर कृष्णा महतो, ग्राम तथा पो. धुचनीखाली, पो. सन्देशखाली, जिला 24-परगना (पश्चिमी बंगाल) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुधीर कृष्णा महतो को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. पश्चिम बंगाल-वि. स./92/71(81)]

S.O. 2656.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sudhir Krishna Mahato, Village and P.O. Dhuchnikhali, Police Station Sandeshkhali, district 24-Parganas, (West Bengal), a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 92-Sandeshkhali (ST) constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

Sudhir Krishna Mahato to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/92/71 (81)]

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1973

का. आ. 2657.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 310 लोहारडागा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बलराम भगत गांव बरही, डाकखाना मसमानों ठाकूगांव, रांची (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बलराम भगत को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./310/72(17)]

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1973

S.O. 2657.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balram Bhagat, Village Barhi, P.O. Masmano Thakugaon, Ranchi who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 310-Lohardaga constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Balram Bhagat to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/310/72 (17)]

आदेश

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1973

का. आ. 2658.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 305 चैनपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भूषन, गांव रागड़ीह, डाकखाना कुरमगढ़, रांची (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री भूषन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./305/72(18)]

ORDER

New Delhi, the 20th August, 1973

S.O. 2658.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhushan, Village Roghadih, P.O. Kurumgarh, Ranchi (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 305-Chainpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhushan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/305/72 (18)]

आदेश

का. आ. 2659.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 309-मन्दर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लेन्टा भगत गांव बरहिया डाकखाना टंगार, रांची, बिहार लोक प्रतिनित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लेन्टा भगत को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./309/72(19)]

ORDER

S.O. 2659.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Deda Bhagat, Village Roll Barhariya, P.O. Tanger Ranchi who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 309-Mandar constituency

held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Leda Bhagat to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/309/72 (19)]

आदेश

का. आ. 2660.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 140-बोरियो (अ. ज. जा.) सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री टुइला पोथी हेमरम, ग्राम इलाली, पो. बड़बंध, जिला संथाल परगना, बिहार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री टुइला पोथी हेमरम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./140/72(21)]

ORDER

S.O. 2660.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tuila Pathi Hemrom, Village Elaki, P. O. Barbandh, District Santhal Parganas (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 140-Borio (ST) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tuila Pothi Hemrom to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/140/72(21)]

आदेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1973

का. आ. 2661.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 133-कोन्टा (अ. ज. जा.) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुकुलधर लखमु, ग्राम बाबु संमरा पो. जगदलपुर, तहसील जगदलपुर, जिला बस्तर, मध्य प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुकुलधर लखमु को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. म. प्र.-वि. स./133/72(13)]

ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1973

S.O. 2661.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sukaldhar Lakhmu, Village Babusemra, P. O. Jagdalpur, Tahsil Jagdalpur, District Bastar (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 133-Konta (ST) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sukaldhar Lakhmu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/133/72(13)]

आदेश

का. आ. 2662.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 217-हरदा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पदमसिंह सोलंकी, पो. आ. मुन्नास, तहसील हरदा, जिला होशंगाबाद (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री पदम सिंह सोलंकी को संसद

के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./217/72(15)]

ORDER

S.O. 2662.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Padam Singh Solanki, Post Bhunnas, Tahsil Harda, District Hoshangabad (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 217-Harda Constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Padam Singh Solanki to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/217/72(15)]

आदेश

का. आ. 2663.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 134-दंतेवाड़ा (अ. ज. जा.) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामा बोटी, ग्राम टकनार, पी. दन्तेवाड़ा, तहसील दन्तेवाड़ा, जिला बस्तर, (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामा बोटी को संसद के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./134/72(16)]

ORDER

S.O. 2663.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rama Botti, Village Taknar, P. O. Dantewada, Tahsil Dantewada, District Bastar (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 134-Dantewara (ST) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rama Botti to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[MP-LA/134/72(16)]

आदेश

का. आ. 2664.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 134-दन्तेवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लच्छूसोमा, ग्राम करली, पो. गीदम, तहसील दन्तेवाड़ा, जिला बस्तर, मध्य प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लच्छू सोमा को संसद के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. ग. प्र.-वि. स./134/72(17)]

ORDER

S.O. 2664.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lachoo Soma, Village Karli P.O. Geedam, Tahsil Dantewada, District Bastar (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 134-Dantewara (ST) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lachoo Soma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/134/72(17)]

आदेश

का. आ. 2665.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 216-टिमरनी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पारसराम गार्गव, ग्राम बेड़ी, पो. आ. अपगांव कलां, तहसील हरदा, जिला होशंगाबाद (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री पारसराम भार्गव को संसद के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./216/72(19)]

ORDER

S.O. 2665.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Paras Ram Gargav, Village Bedi, Post Apgaon Kalan, Tahsil Harda, District Hoshangabad (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 216-Timarni constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Paras Ram Gargav to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/216/72(19)]

आदेश

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1973

का. आ. 2666.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 40-औरंगाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विश्वनाथ दास, ग्राम खरांटी, डाकघर ओबरा, थाना ओबरा, जिला गया (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री विश्वनाथ दास को संसद के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. स./40/71(7)]

ORDER

New Delhi, the 25th August, 1973

S.O. 2666.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Biswanath Das, Village Kharanti, P.O. Obra, District Gaya (Bihar) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 40-Aurangabad constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bishwanath Das to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/40/71(7)]

आदेश

का. आ. 2667.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 40-औरंगाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भोलासिंह, ग्राम बेल टोला इमामगंज, डाकघर बेल, जिला गया (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री भोला सिंह को संसद के किसी सी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. स./40/71(8)]

ORDER

S.O. 2667.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhola Singh, Village Bel Tola Imamganj, P.O. Bel, District Gaya (Bihar) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 40-Aurangabad constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhola Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/40/71(8)]

आदेश

का. आ. 2668.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण

निर्वाचन के लिए 156-महागामा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सच्चिदानन्द यादव, ग्राम बलिया, पो. आ. मड़पा, जिला संथालपरगना (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सच्चिदानन्द यादव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./156/72(23)]

ORDER

S.O. 2668.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sachchida Nand Yadav, Village Balia, P. O. Marpa, Santhal Parganas (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 156-Mahagama constituency held in March 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sachchida Nand Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/156/72(23)]

आदेश

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1973

का. आ. 2669.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 185-बलिया सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कपिलदेव चौरसिया, ग्राम पो. फुलमलिक, थाना बलिया, जिला मुंगेर, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर सभी रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, श्री कपिलदेव चौरसिया को भेजी गई सूचना, उनका पता ठिकाना मालूम न होने के कारण आयोग के पास अविलम्बित वापस आ गई है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री कपिलदेव चौरसिया को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है

[सं. बिहार-वि. स./185/72(24)]

ORDER

New Delhi, the 28th August, 1973

S.O 2669.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kapildeo Chaurasia, Village and P. O. Fulmalik, Thana Balia, District Monghyr who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 185-Balia constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice issued to Shri Kapildeo Chaurasia have been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kapildeo Chaurasia to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/185/72(24)]

आदेश

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1973

का. आ. 2670.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 को हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 1-बगहा (अ. जा.) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लक्ष्मी प्रसाद, मोहल्ला गंज नं. 2, बेतिया, चम्पारण (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है तथा निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लक्ष्मी प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-लो. स./1/71(9)]

ORDER

New Delhi, the 29th August, 1973

S.O. 2670.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laxmi Prasad, Mohalla Ganj No. 2, Bettiah, District Champaran who was a contesting candidate for election to the House of the People from 1-Bagaha (SC) constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxmi Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/1/71(9)]

आदेश

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1973

का. आ. 2671.—अतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 2-मोतिहारी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जमालुद्दीन खां, ग्राम-सलेमपुर, पो. सैदपुर, जिला चम्पारण (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री जमालुद्दीन खां को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. स./2/71(10)]

ORDER

New Delhi, the 1st September, 1973

S.O. 2671.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jamaluddin Khan, Village Salempur, P.O. Saidpur, District Champaran (Bihar) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 2-Motihari constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jamaluddin Khan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/2/71(10)]

आदेश

का. आ. 2672.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 6-छपरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विश्वनाथ सिंह, ग्राम-एकडेरवा मसूरिया, पो. मकेर, जिला सारण (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री विश्वनाथ सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. स./6/71(11)]

ORDER

S.O. 2672.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vishwanath Singh, Village Akderwa Masuriya, P. O. Maker, District Saran who was a contesting candidate for election to the House of the People from 6-Chapra constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vishwanath Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/6/71(11)]

आदेश

का. आ. 2673.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 28-भागलपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लाल मोहन पासवान, ग्राम सुल्तानपुर, पो. फतेहपुर, माया साबौर, जिला भागलपुर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लाल मोहन पासवान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. स./28/71(12)]

S.O. 2673.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Mohan Paswan, Village Sultanpur, P.O. Fatchpur, via Sabour, District Bhagalpur who was a contesting candidate for election to the House of the People from 28-Bhagalpur constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Mohan Paswan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/28/71(12)]

आदेश

का. आ. 2674.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 38-बिक्रमगंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री फौजदार चौधरी, ग्राम एवं पो. मानी जिला शाहाबाद (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री फौजदार चौधरी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-लो. स./38/71(13)]

ORDER

S.O. 2674.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Faujdar Chaudhary, Village and P.O. Mani, District Shahabad who was a contesting candidate for election to the House of the People from 38-Bikramganj constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Faujdar Choudhary to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/38/71(13)]

आदेश

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1973

का. आ. 2675.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 179-खड़गपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अनूब लाल मंडल, ग्राम एवं पत्रालय रमनका बाद, जिला मुंगेर (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अनूब लाल मंडल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. बिहार-वि. स./179/72(26)]

ए. एन. सेन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 3rd September, 1973

S.O. 2675.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anub Lal Mandal, Village and P.O. Ramankabad, District Monghyr (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 179-Kharagpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason, or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Anub Lal Mandal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/179/72(26)]

New Delhi, the 7th September, 1973

S.O. 2676.—In pursuance of Clause (b) of Sub-section (2) of Section 116C of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the Judgment, dated 9 August, 1973 of the Supreme Court of India in Civil Appeal No. 1994 (NCE) of 1972 against the Judgment, dated 20 July, 1972 of the High Court of Judicature at Patna in Election Petition No. 10 of 1971.

IN THE SUPREME COURT OF INDIA

CIVIL APPELLATE JURISDICTION

Civil Appeal No. 1994 of 1972

Mahabir Paswan — Appellant

Versus

Jag Jiwan Ram and Ors. — Respondents.

ORDER

Counsel for the appellant is not present. The appeal is dismissed for default.

Dated : New Delhi, the 9th August, 1973.

P. JAGANMOHAN REDDY, Judge.

S. N. DWIVEDI, Judge.

[No. 82/BR/10/71]

A. N. SEN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1973

का. आ. 2677.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1973 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 154-कुडापाह सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वी. आर. गोपालकृष्णा, जरनैलिस्ट, 2/251-डी, नागाराजुपेट, कुडापाह (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री वी. आर. गोपालकृष्णा को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. आ. प्र.-वि. स./154/72]

ORDER

New Delhi, the 28th August, 1973

S.O. 2677.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. R. Gopalakrishna, Journalist, 2/251-D, Nagarajupet Cuddapah (Andhra Pradesh) a contesting candidate for the general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in March, 1972 from 154, Cuddapah constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri V. R. Gopalakrishna to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/154/72]

आदेश

का. आ. 2678.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 160-पुलीवेन्डला सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के. सी. मदुलेट रेड्डी, कृष्णामरीपाल्ली (वाया) अगादुर जिला कुडापाह (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री के. सी मदुलेट रेड्डी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. आ. प्र. वि. स./160/72]

वी. नाग सुब्रमण्यन, सचिव

ORDER

S.O. 2678.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. C. Maddulate Reddy, Krishnamgaripalli *Via* Agadur, Cuddapah District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for the general election held in March, 1972, to the Andhra Pradesh Legislative Assembly from 160. Pulivendla constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. C. Maddulate Reddy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/160/72]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1973

का. आ. 2679.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 ग की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अपनी अधिसूचना सं. 429/अ. नि. द्वी/71(2), तारीख 2 सितम्बर, 1971, को अतिष्ठित करके, निर्वाचन आयोग निम्नलिखित आफिसरों को अण्डमान और निकोबार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसरों के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करता है :—

1. तहसीलदार, दक्षिणी अण्डमान।
2. तहसीलदार, रंगत।
3. सहायक आयुक्त, मायाबन्दर।
4. तहसीलदार, डिगलीपुर।
5. तहसीलदार, (निकोबार ट्रेड), कार निकोबार।
6. सहायक आयुक्त नानकाउरी।

[सं. 429/अ. नि. द्वी. सं./71(2)]

New Delhi, the 27th August, 1973

S.O. 2679.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13C of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950) and in supersession of its notification No. 429/A&NI/71(2), dated the 2nd September, 1971, the Election Commission hereby appoints the following Officers as the Assistant Electoral Registration Officers for the Andaman and Nicobar Parliamentary Constituency:—

1. Tahsildar, South Andaman.
2. Tahsildar, Rangat.
3. Assistant Commissioner, Mayabunder.
4. Tahsildar, Diglipur.
5. Tahsildar, (Nicobar Trade), Car-Nicobar.
6. Assistant Commissioner, Nancowry.

[No. 429/A&NI/71(2)]

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1973

का. आ. 2680.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए नई दिल्ली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्याम सिंह रावत,

मकान नं. 1049, खजूरी खास, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्याम सिंह रावत को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. दिल्ली-लो. स./1/71(4)]

ORDER

New Delhi, the 31st August, 1973

S.O. 2680.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shyam Singh Rawat, House No. 1049, Khajoori Khas, Navin Shahdara, Delhi-32, Delhi, a contesting candidate for election to the Lok Sabha from New Delhi Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder :—

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shyam Singh Rawat to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/1/71(4)]

आदेश

का. आ. 2681.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि लोक सभा के लिए चांदनी चौक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री माट्टूराम, 2880, बाजार सिरकी वालान, हौज काजी, दिल्ली, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री माट्टूराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं. दिल्ली. लो. स./5/71(3)]

बी. एन. भारद्वाज, सचिव

ORDER

S.O. 2681.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mattu Ram 2880, Bazar Sirki Walan, Hauz Quazi, Delhi, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from Chandni Chowk Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mattu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council for a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/5/71(3)]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1973

का. आ. 2682.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स कोरेस (इन्डिया) लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 7/2/71 दिनांक 1 अप्रैल, 1971) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है ।

[संख्या 22/19/71-एम.-2]

आई. एल. नागपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th September, 1973

S.O. 2682.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/S KORES (INDIA) LTD. under the said Act (Certificate of Registration No. /12/71 dated the 1st April, 1971).

[No. 22/19/71-M(II)]

I. L. NAGPAL, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1973

का. आ. 2683.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखत) नियम, 1958 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखत) तृतीय संशोधन नियम, 1973 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखत) नियम, 1958 के नियम 2 में, खण्ड (3-क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(3-क) कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के उर्वरक प्रभाग से संबंधित आदेशों और अन्य लिखतों के मामले में उस विभाग के उर्वरक प्रभाग के उपायुक्त (पत्तन (संक्रियाएं और परियोजनायें) और उपायुक्त (संचालन) द्वारा, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के उर्वरक प्रभाग के लेखा स्कंध से संबंधित आदेशों और अन्य लिखतों के मामले में, उस विभाग के उर्वरक प्रभाग के लेखा स्कंध के लेखा निदेशक या लेखा उप-निदेशक द्वारा; या" ।

[संख्या 3/4/73-पब्लिक-1]

के. आर. प्रभु, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 10th September, 1973

S.O. 2683.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the Authentication (orders and other Instruments) Third Amendment Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958 for clause (3-A), the following clause shall be substituted, namely :—

"(3-A) in the case of orders and other instruments relating to the Fertiliser Division of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture), by the Deputy Commissioner (Post Operations and Projects) and Deputy Commissioner (Movement) in the Fertiliser Division of that Department, and in the case of those relating to the Accounts Wing of the Fertiliser Division of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture), by the Director of Accounts or Deputy Director of Accounts in the Accounts Wing of the Fertiliser Division of that Department; or".

[No. F. 3/4/73-Public I]

K. R. PRABHU, Joint Secy.

वित्त मंत्रालय
(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1973

आय-कर

सा. का. नि. 2684.—आय-कर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री जे. आर. चानना को, जो केन्द्रीय सरकार का राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. अधिसूचना सं. 385 (फा. सं. 404/177/73-आई. टी. सी. सी.) तारीख 18 जून, 1973 के अधीन की गई श्री एस. एस. पुष्करण की नियुक्ति तुरन्त रद्द की जाती है ।

3. यह अधिसूचना तत्काल प्रवृत्त होगी ।

[सं. 428 (फा. सं. 404/177/73-आई. टी. सी. सी.)]

एम. एन. नम्बियार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 4th August, 1973

INCOME-TAX

S.O. 2684.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri J. R. Chananna who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri S. S. Pushkarna made under Notification No. 385 (F. No. 404/177/73-ITCC) dated 18th June, 1973 is cancelled with immediate effect.

3. This Notification shall come into force with immediate effect.

[No. 428 (F. No. 404/177/73-ITCC)]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1973

स्टाम्प

सा. का. नि. 2685.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस शुल्क को, जो गुजरात राज्य वित्तीय निगम द्वारा जारी किए जाने वाले दो सौ पचहत्तर लाख रुपए के मूल्य के बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, माफ करती है ।

[सं. 27/73-स्टाम्प/फा. सं. 471/51/73-सी. शु. 7]

जे. रामाकृष्णन, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd September, 1973

STAMPS

S.O. 2685.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds to the value of two hundred and seventy five lakhs of rupees, to be issued by the Gujarat State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 27/73-Stamps/F. No. 471/51/73-Cus. VII]

J. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1973

का. आ. 2686.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री बी. के. मुकर्जी को, एक सितम्बर, 1973 से प्रारंभ होने वाली और 31 अक्तूबर, 1973 को समाप्त होने वाली और अवधि के लिए इलाहाबाद बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं. फा. 9-4/11/73-बी. ओ. 1-1]

(Department of Banking)

New Delhi, the 31st August, 1973

S.O. 2686.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby reappoints Shri B. K. Mookerjea as the Managing Director of Allahabad Bank for a further period commencing on 1st September, 1973 and ending with 31st October, 1973.

[No. F. 9-4/11/73-BO.I-1]

का. आ. 2687.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खंड 7 के साथ पठित खंड 5 के उपखंड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री बी. के. मुकर्जी को, जो एक सितम्बर, 1973 से इलाहाबाद बैंक के प्रबन्ध-निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किए गए हैं, उसी तारीख से इलाहाबाद बैंक के निदेशक-बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. फा. 9-4/11/73-बी. ओ. 1-2]

S.O. 2687.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri B. K. Mookerjea who has been re-appointed as Managing Director of Allahabad Bank with effect from 1st September, 1973, to be the Chairman of the Board of Directors of Allahabad Bank with effect from the same date.

[No. F. 9-4/11/73-BO I-2]

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1973

का. आ. 2688.—बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 45 की उपधारा (7) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा सस्वीकृत दी सलेम श्री कन्निकापरमेश्वरी बैंक लि. की वी कारूर व्यश्य बैंक लि. में समामेलन की योजना, जो भारत सरकार वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की 25 मई, 1964 की अधिसूचना सं. एफ. 17(6) बी. सी./64 में अधिसूचित की गयी है, के पैरा (6) के उपपैरा (8) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से एतद्द्वारा उक्त उप-पैरा के प्रयोजनार्थ पूर्ववर्ती काल की अवधि विहित तिथि से नौ वर्ष पांच मास की विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 17(8)-बी. ओ. 3/73]

New Delhi, the 12th September, 1973

S.O. 2688.—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (viii) of paragraph (6) of the scheme for the amalgamation of the Salem Sri Kannikaparameswari Bank Ltd. with the Karur Vysya Bank Ltd., sanctioned by the Central Government under sub-section (7) of section 45 of the Banking Regulation Act, 1949, (10 of 1949) in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F. 17(6)-BC/64, dated the 25th May 1964, the Central Government, after consulting the Reserve Bank of India, hereby specifies a period of nine years and five months from the prescribed date, as the earlier period for the purpose of the said sub-paragraph.

[No. 17(8)-B.O. III/73]

का. आ. 2689.—बैंक विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (2) के उपबन्ध बैंक आफ महाराष्ट्र पर लागू नहीं होंगे, जहां तक उक्त उपबन्ध उक्त बैंक के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक श्री सी. वी. जोग को दी महाराष्ट्र स्टेट फाइनेंन्शियल कार्पोरेशन का निदेशक होने पर रोक लगाते हैं।

[सं. 15(24)-बी. ओ. 3/73]

द. म. सुकथन्कर, निदेशक

S.O. 2689.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the said Act, shall not apply to Bank of Maharashtra in so far as the provisions prohibit Shri C. V. Joag, Chairman and Managing Director of the bank, from being a director of the Maharashtra State Financial Corporation.

[No. 15(24)-B.O. III/73]

D. M. SUKTHANKAR, Director.

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1973

का. आ. 2690.—कृषिक पुनर्वित्त निगम अधिनियम 1963 (1963 का 10) की धारा 20, उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, कृषिक पुनर्वित्त निगम द्वारा 17 सितम्बर, 1973 से 19 सितम्बर, 1973 तक (दोनों दिन शामिल हैं) 12 वर्ष की परिपक्वता अवधि के लिए उपरोक्त धनराशि से 10 प्रतिशत तक अधिक प्राप्त अभिदानों को रख लेने के अधिकार सहित, सममूल्य पर जारी किये जाने वाले 15.00 करोड़ रुपए (पन्द्रह करोड़ रुपये) के बाण्डों पर देय ब्याज की दर एतद्द्वारा 5¾ प्रतिशत (पौने छः प्रतिशत) प्रतिवर्ष निर्धारित करती है।

[सं. एफ. 14/52/73-कृषि-ऋण]

एम. के. वेंकटाचलम, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 6th September, 1973

S.O. 2690.—In pursuance of clause (a) of sbu-section (1) of section 20 of the Agricultural Refinance Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby fixes 5-3/4 per cent (Five and three-fourths per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds of Rs. 15 crores to be issued at par from 17th September, 1973 to 19th September, 1973 (both days inclusive) with the right to retain subscription received upto 10 per cent in excess of the said amount, with a maturity period of 12 years by the Agricultural Refinance Corporation.

[No. F. 14/52/73-AC]

M. K. VENKATACHALAM, Jt. Secy.

रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया

का०आ० 2691—रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया अधिनियम 1934 के अनुसरण में अगस्त 1973 की तारीख को समाप्त हुई सप्ताह के लिए लेखा

हणू विभाग

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1973

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	47,39,72,000		सोने का सिक्का और बुलियन :—		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,53,08,000	
संचलन में नोट	5370,15,60,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ विदेशी प्रतिभूतियां	177,36,80,000	
जारी किए गए कुल नोट		5417,55,32,000	जोड़		359,89,88,000
			रुपए का सिक्का		12,93,54,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		5044,71,90,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		..
कुल देयताएं		5417,55,32,000	कुल आस्तियां		5417,55,32,000

31 अगस्त, 1973 को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी	5,00,00,000	नोट	47,39,72,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	5,08,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	239,00,00,000	छोटा सिक्का	2,98,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	85,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल:—	
		(क) देशी	2,12,44,000
		(ख) विदेशी	..
		(ग) सरकारी खजाना बिल	655,94,80,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	205,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया*	262,44,65,000
जमा राशियां :—		निवेश**	437,96,52,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	82,75,97,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	34,87,85,000	(ii) राज्य सरकारों को†	30,56,00,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	600,60,25,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को×	6,37,25,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	13,80,81,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को××	161,99,46,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,17,78,000	(iii) दूसरों को	2,54,90,000
(iv) अन्य बैंक	54,94,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	66,40,16,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	17,25,13,000
		(ii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	34,50,00,000
(ग) अन्य	73,13,24,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	11,26,63,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
देय बिल	136,14,22,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	61,76,06,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, ऋण, अग्रिम और निवेश	
अन्य देयताएं	347,40,67,000	(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	129,09,36,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	..
		अन्य आस्तियां	46,74,59,0000
रुपये	1974,45,73,000	रुपये	1974,45,73,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं ।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किए गये निवेश शामिल नहीं हैं।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं ।

×रिज़र्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 1,35,00,000 रुपये शामिल हैं ।

××राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त और अग्रिम शामिल नहीं हैं ।

तारीख : 5 सितम्बर, 1973 ।

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

[सं०फ० 1(1)/73-बी०ओ० I]

च०व० मीरचन्दानी, अवर सचिव

RESERVE BANK OF INDIA

S.O.2691.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 31st day of August 1973

ISSUE DEPARTMENT

New Delhi, the 7th September, 1973

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	47,39,72,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation	5370,15,60,000		(a) Held in India	182,53,08,000	
Total Notes issued		5417,55,32,000	(b) Held outisde India	..	
			Foreign Securities	177,36,80,000	
			TOTAL		359,89,88,000
			Rupee Coin		12,93,54,000
			Government of India		
			Rupee Securities		5044,71,90,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
Total Liabilities		5417,55,32,000	Total Assets		5417,55,32,000

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 31st August, 1973

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid-up	5,00,00,000	Notes	47,39,72,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	5,08,000
		Small Coin	2,98000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	239,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
		(a) Internal	2,12,44,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	85,00,00,000	(b) External	..
		(c) Government Treasury Bills	655,94,80,000
		Balances Held Abroad*	262,44,65,000
		Investments†	437,96,52,000
		Loans and Advances to:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	205,00,00,000	(i) Central Government	..
		(ii) State Governments‡	30,56,00,000
Deposits:-		Loans and Advances to:-	
		(i) Schduled Commercial Banks	6,37,25,000
(a) Government		(ii) State Co-operative Banksπ	161,99,46,000
(i) Central Government	82,75,97,000	(iii) Others	2,54,90,000
(ii) State Governments	34,87,85,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
(b) Banks		(a) Loans and Advances to:—	
(i) Scheduled Commercial Banks	600,60,25,000	(i) State Governments	66,40,16,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	13,80,81,000	(ii) State Co-operative Banks	17,25,13,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,17,78,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	..
(iv) Other Banks	54,94,000	(iv) Agricultural Refinance Corporation	34,50,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	11,26,63,000
(c) Others	73,13,24,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	61,76,06,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	129,09,36,000
Bills Payable	136,14,22,000	(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	...
Other Liabilities	347,40,67,000	Other Assets	46,74,59,000
Rupees	1974,45,74,000	Rupees	1974,43,73,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

†Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.

$Includes Rs. 1,35,00,000 advanced to Scheduled Commercial Banks against usance bills under Section 17 (4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

π Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 5th day of September 1973.

S. JAGANNATHAN, *Governor.*

[No.F.1(1)/73-BOI]

C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता-कार्यालय कोचीन-3

कोचीन, 25 मई, 1973

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

का०आ० 2692.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 233 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी निर्देश देता है कि इस समाहर्ता-कार्यालय के क्षेत्र के अन्तर्गत 'दियासलाई' के निर्माता दियासलाई के विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाली निम्नलिखित कच्ची सामग्री का एतद्पश्चात् एक अलग-अलग दैनिक खाता, संलग्न फार्म मे रखेंगे, जैसे : तीलियां, लेप, गंधक और पोटाशियम क्लोरेट । ऐसे निर्माता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 55 के अधीन फार्म आर०टी० 5 में उक्त कच्ची सामग्रियों का एक त्रैमासिक विवरण भी प्रस्तुत करेंगे जो संबंधित तिमाही से अगले महीने की 10 तारीख तक संबंधित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रेंज अधिकारी के पास भेजे जायेंगे और उसकी प्रतिलिपि संबंधित सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पास भेजी जायेगी ।

दियासलाई के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्रियों का दैनिक खाता

कारखाने का नाम व पता :

कच्ची सामग्री का विवरण :

तारीख	अथशेष	बीजक सं० तथा तारीख	भेजने वाले का नाम	प्राप्त मात्रा	कुल	विनिर्माण में प्रयुक्त मात्रा	
						दियासलाई	अन्य माल
1	2	3	4	5	6	7	8

अन्यथा निपटायी गयी मात्रा		खराब हुई अथवा नष्ट की गई मात्रा	इति शेष निर्मित दियासलाई की मात्रा	अन्य निर्मित माल की मात्रा	विशेष	निर्धारिती अथवा उसके एजेंट के हस्ताक्षर
निपटान का तरीका	मात्रा					
9	10	11	12	13	14	15	16

महीने के लिए

कुल जोड़

टिप्पणियां : 1. प्रत्येक कच्ची सामग्री के संबंध में अलग-अलग रजिस्टर रखे जाने चाहिएं ।

2. यदि किसी कच्ची सामग्री का प्रयोग उत्पादन शुल्क लगने योग्य एक से अधिक प्रकार की (विभिन्न टैरिफ मदों के अंतर्गत आने वाली) वस्तुओं के लिये अथवा प्रत्येक ऐसे माल के लिए प्रयुक्त अन्य निर्मित मात्रा के लिए किया जाता है तो इसे अलग-अलग रूप से, स्तम्भ 5 तथा 6 का उपयुक्त विभाजन करके ऐसे माल के विवरण सहित, दर्शाया जाये ।

[सं० 2/73]

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISES COCHIN-3

Cochin, the 25th May, 1973

CENTRAL EXCISES

S.O. 2692.—In exercise of the powers vested under Rule 233 of the Central Excise Rules, 1944, the undersigned directs that the manufacturers of 'Matches' in this Collectorate, shall hereafter maintain a separate daily account of the raw materials, namely, Splints and Veneers, Sulphur and potassium chlorate used in the manufacture of matches in the Form enclosed. Such manufacturers shall also furnish a quarterly Return of the said Raw materials in Form R.T.5 under Rule 55 of the Central Excise Rules, 1944 by the 10th following the quarter to which the return relates to the Central Excise Range Officer concerned with copies to the Assistant Collector of Central Excise, concerned.

DAILY ACCOUNT OF RAW MATERIALS FOR THE MANUFACTURE OF MATCHES

Name and address of the Factory:

Description of Raw Materials :

Date	Opening Balance	Invoice No. and Date	Name of consignor	Quantity received	Total
1	2	3	4	5	6

Quantity used in the manufacture of		Quantity otherwise disposed of		Quantity wasted or destroyed	Closing Balance
Matches	Other goods.	Nature of the disposal	Quantity		
7	8	9	10	11	12

Quantity of matches manufactured	Quantity of other goods manufactured	Remarks	Signature of the Assessee or his Agent
13	14	15	16

Total for the month

NOTES: 1. Separate Registers should be maintained in respect of each raw material.

2. If any raw material is used for more than one excisable goods (falling under different tariff items) or other goods manufactured, quantity used for each of such goods should be shown separately along with description of such goods by suitable sub-dividing column 5 and 6.

[No. 2/73]

का० आ० 2693—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 233 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निर्देश देता हूं कि इस समाहर्ता कार्यालय के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दियासलाई-निर्माता, नीचे दिये गये निर्धारित फार्म में तत्काल एक डिब्बियां-भराई-रजिस्टर (Box filling Register) रखें तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारी द्वारा कभी भी मांगे जाने पर वह रजिस्टर प्रस्तुत करें।

निर्माता का नाम तथा पूरा पता :

लाइसेंस एल०-4 सं० ———महीना———वर्ष

क्र० सं०	कर्मचारी का नाम	प्रत्येक तारीख में भरी गयी दियासलाई की डिब्बियों की संख्या																
		1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.	12.	13.	14.	15.	16.	17.
		18.	19.	20.	21.	22.	23.	24.	25.	26.	27.	28.	29.	30.	31.			

दो पखवाड़ों का विवरण अर्थात् 1 तारीख से 15 तारीख तक तथा 16 तारीख से प्रत्येक महीने के अंत तक, अलग-अलग शीर्षों में भरा जाये।

[सं० 1/73]

एस० वेंकटराम ऐय्यर, समाहर्ता

S.O.2693.—In exercise of the powers conferred on me under rule 233 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby direct that the manufacturers of matches in this Collectorate shall maintain with immediate effect a BOX FILLING REGISTER in the form prescribed below and produce the Register whenever required by the Central Excise Officer.

Full name and address of Manufacturer:

Licence L. 4 No. .....month.....year.

Serial No.	Name of worker	No. of match boxes filled on each date
		1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31.

Details for the two fortnights i.e. 1st to 15th and 16th to the end of each month may be entered under separate openings.

[No. 1/73]

S. VENKATARAMA IYER, Collector

सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, शिलांग

शिलांग, 1 अगस्त, 1973

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

का. आ. 2694.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं इस समाहर्ता-कार्यालय के सभी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सहायक समाहर्ताओं को, अपने अपने अधिकार क्षेत्रों के अन्तर्गत, नियम 9 (1ए) तथा 173 जी (1ए) के अन्तर्गत समाहर्ता की शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार देता हूं।

[सं. 2/के. उ. शु./73]

एच. आर. सीइम, समाहर्ता

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE, SHILLONG

Shillong, the 1st August, 1973

CENTRAL EXCISES

S.O. 2694.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944. I authorise all Assistant Collectors of Central Excise of this Collectorate to exercise within their respective jurisdictions' the powers of the Collector under rules 9(1A) and 173G(1A).

[No. 2/CE/73]

H. R. SYIEM, Collector.

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, दिल्ली

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1973

केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क

का. आ. 2695.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं तिलक राज, भा. रा. से. समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, दिल्ली एतद्द्वारा, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारियों को यह शक्ति देता हूं कि वे अपने अपने अधिकार क्षेत्र में, निर्धारितियों द्वारा उनके चालू लेखा से रकम निकाले जाने के सम्बन्ध में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियमों 9 और 173 जी के उपनियमों (1 ए) के अन्तर्गत 'समाहर्ता' की शक्तियों का प्रयोग करें बशर्ते कि ऐसा करने का कारण लिखित रूप में बताएं तथा इस सम्बन्ध में निर्दिष्ट क्रियाविधि का पालन करें।

[अधिसूचना संख्या 1/1973]

तिलक राज, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : NEW DELHI

New Delhi, the 6th August, 1973

CENTRAL EXCISES

S.O. 2695.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, Tilak Raj, I.R.S. Collector of Central Excise, Delhi hereby empower the Central Excise Officers of the rank of the Assistant Collector of Central Excise, to exercise within their respective jurisdiction the powers of the 'Collector' under sub-rules (1A) of Rules 9 and 173G of the Central Excise Rules, 1944 with regard to withdrawal of amount by the assessees from their account current for reasons to be recorded in writing and in accordance with procedure as specified in this behalf.

[Notification No. 1/73]

TILAK RAJ, Collector.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1973

का. आ. 2696.—उत्प्रवास अधिनियम 1922 (1922 का 7 वां) के अनुच्छेद 3 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार एतद्द्वारा श्री पी. एन. नायर को 16 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से श्री बी. वी. एस. राव के स्थान पर नागपट्टिनम में प्रवासियों के संरक्षक के पद पर नियुक्त करती है ।

[संख्या सी पी ई ओ/9/72]

टी. वी. रामकृष्णराव, अवर सचिव (पी. वी. ए.)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 18th August, 1973

S.O. 2696.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Emigration Act, 1922 (VII of 1922), the Central Government hereby appoints Shri P. N. Nair to be Protector of Emigrants, Nagapattinam, with effect from the forenoon of the 16th July, 1973, vice Shri B. V. S. Rao.

[No. CPEO/9/73]

T. V. RAMAKRISHNA RAO, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(आन्तरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1973

का. आ. 2697.—संप्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग का निवारण) अधिनियम, 1950 की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की अनुसूची में, मद 18 के पश्चात् निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

"19. श्री शारदा मठ और रामकृष्ण शारदा मिशन का नाम और संप्रतीक, जिसमें जल में तैरता हुआ हंस (दाहिनी तरफ मुख किए हुए) अग्रभाग में कमल और पृष्ठभूमि में उदीयमान सूर्य होगा, ये सभी एक जंगली सर्प (दाहिनी तरफ मुख किए हुए) द्वारा घिरे हुए होंगे और निचले भाग में 'तन्नो हंसः प्रचोदयात्' शब्द अंकित होंगे ।"

[एफ. संख्या 23(35)-आई. टी./72]

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Internal Trade)

New Delhi, the 11th September, 1973

S.O. 2697.—In exercise of the powers conferred by section 8 of the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950, the Central Government hereby directs that in the Schedule to the said Act, after item 18, the following item shall be added, namely :—

"19. The name and emblems of the Sri Sarada Math and Ramakrishna Sarada Mission consisting of a Swan (facing right) floating on waters, with a Lotus in the foreground and the rising sun in the background, the whole being encircled by a wild serpant (facing right) with the words 'तन्नो हंसः प्रचोदयात्' superimposed on the bottom portion."

[F. No. 23(35)-IT/72.]

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1973

का. आ. 2698.—केन्द्रीय सरकार सुरेन्द्र नगर कार्टन आयल एण्ड आयल सीड्स एसोसिएशन लिमिटेड, सुरेन्द्र नगर के पुनर्वीकरण के लिए अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास की अग्रिम संविदाओं की बाबत, 23 नवम्बर, 1973 से लेकर 22 नवम्बर, 1974 तक (जिनमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं), एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार आयोग द्वारा समय समय पर दिए जाने वाले निदेशों का अनुपालन करेगा ।

[फा. सं. 12(14)-आई. टी/73]

यू. एस. राणा, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 15th September, 1973

S.O. 2698.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Surendranagar Cotton, Oil and Oilseeds Association Limited, Surendranagar, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 23rd November, 1973 to the 22nd November, 1974 (both days inclusive), in respect of forward contracts in kapas.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(14)-IT/73]

U. S. RANA, Jt. Director.

संयुक्त-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, बम्बई

आदेश

बम्बई, 15 मार्च, 1973

संख्या :

विषय : सर्वश्री जनरल स्पेयर्स इन्डस्ट्रीज प्रा. लि. वडाला, बम्बई-31 को जारी किए गए लाइसेंस संख्या : पी./यू./2663830, दिनांक 30-1-73 (सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति) को रद्द करना ।

का. आ. 2699.—सर्वश्री जनरल स्पेयर्स इन्डस्ट्रीज, प्रा. लि., बम्बई को "(1) एम. एस. फ्री कटिंग ब्लैक बार्स (सीसी किस्म के) (2) अप्रैल-मार्च, 1973 की रेड बुक के परिशिष्ट 14 के अनुसार निषेध तथा प्रतिबंधित से भिन्न अनुरोध आकारों वाले बाल बेयरिंग (3) अप्रैल-मार्च, 1973 की रेड बुक के परिशिष्ट 10/6(ए) तथा 16(6) (बी) में विशिष्टकृत से भिन्न टेपर्ड रोलर बेयरिंग (4) संलग्न सूची के अनुसार का आयात करने के लिए 5,611 रु. का एक आयात लाइसेंस संख्या : 2663830 दिनांक 30-1-73 स्वीकृत किया गया था । उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति दोनों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उसका बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गई है । अन्य अनुलिपि प्रतियों की जरूरत लाइसेंस के पूरे मूल्य अर्थात् 5,611 रुपये के लिए है । अपने दावे के समर्थन में आवेदक ने प्रेजीडेन्सी मैजिस्ट्रेट, एस्प्लेनेड कोर्ट, बम्बई के सम्मुख विधिवत शपथ लेते हुए एक

शपथ-पत्र दाखिल किया है और इसके साथ विली-पार्ले पुलिस स्टेशन द्वारा एक प्रमाणपत्र भी भेजा है जिसमें इसकी पुष्टि की गई है कि वह छोटा बैग जिसमें अन्य दस्तावेजों के साथ साथ लाइसेंस भी थे, आवेदक द्वारा हवाई अड्डे पर खो गया था ।

2. मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस संख्या: पी./यू./2663830, दिनांक 30-1-73 की मूल सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि आवेदक को अनुलिपि प्रति जारी की जाए ।

3. लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है ।

[मिसिल संख्या : 616/23422/ए एम-73/ए जे-72/30-9-72/एल/एस/सी 2 सी]

डी. डिसूजा, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS, BOMBAY

ORDER

Bombay, the 15th March, 1973

Subject:—Cancellation of P/U/2663830 of 30-173 (Customs and Exchange control copy) issued to M/s. General Spares Industries P. Ltd., Wadala, Bombay-31.

S.O. 2699.—M/s. General Spares Industries P. Ltd., Bombay have been granted Licence No. 2663830 of 30-1-73 for Rs. 5,611 for import of "(1) M. S. Free Cutting Black Bars (leaded quality). (2) Permissible sizes of Ball Bearings other than those banned and restricted as per App. 14 of AM. 73 R. B. (3) Tapered Rooler Bearings other than those specified in App. 16/6(A) and 16(6)(B) of AM. 73 R. B. (4) As per list attached". They have applied for duplicate copy of both Customs and Exchange Control copy of the said licence on the ground that the original has been lost without having been registered with any Customs authority and without having been utilised at all. The duplicate copies now required is for the full value of the licence i.e. Rs. 5,611 in support of their claim. The applicants have filed an affidavit duly sworn in before the Presidency Magistrate, Esplanade Court, Bombay along with a photostate of a certificate from the Vile-Parne Police Station confirming that a brief case containing licences along with other documents was at the Airport by the applicant.

2. I am satisfied that the original copy of Customs and Exchange control purposes of the licence No. P/U/2663830 of 30-1-73 have been lost and direct that the duplicate copy of the licence be issued to the applicant.

3. The original of Customs and Exchange control copy of the licence is cancelled.

[F. No. 616/23422/AM. 73/AJ. 72/ 30-9-72/L/SC. II. C.]

D. D'SOUZA, Dy. Chief Controller, for Jt. Chief Controller.

आदेश

मद्रास, 25 जून, 1973

विषय :—अप्रैल/मार्च 1973 अवधि के लिए 3,000 रुपये मूल्य के आयात लाइसेंस सं. पी/एस/1782508/सी/एक्स. एक्स/46/एम/ 25,36 दिनांक 31-3-73 की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति को रद्द करना ।

का. आ. 2700.—सर्वश्री ज्योति परफ्यूमरी वर्क्स, 74-ए., अन्नापिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-1 को अप्रैल/मार्च '73 नीति के अनुसार निषेध, प्रतिबन्धित और सारणीबद्ध से भिन्न अनुमेय सुगंध रसायनों (2) अप्रैल/मार्च, '73 नीति के अनुसार निषेध, प्रतिबन्धित और सारणीबद्ध से भिन्न और स्पिअरमिन्ट तेलों और डिमेन्थेलाइज्ड तेल को भी छोड़कर अनुमेय प्राकृतिक सुगंधित तेलों और (3) अप्रैल/मार्च, '73 नीति के अनुसार रेजिनायड्स के आयात के लिए अप्रैल/मार्च, '73 अवधि के लिए 3,000 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं. पी/एस/1782508/सी/एक्स. एक्स/46/35 36 दिनांक 31-3-73 जारी किया गया था । फर्म ने लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति का अनुलिपि जारी करने के लिए केवल इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस बिल्कुल उपयोग किए बिना अस्थानस्थ हो गया है । अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथपत्र दाखिल किया है ।

मैं संतुष्ट हूं कि मूल लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है और इस की अनुलिपि फर्म को जारी की जाए ।

विषयाधीन लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

[संख्या एजन/234/ए. एम/73/एस. एस. आई(1)]

एम. एफ. आर. बिजली, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक

ORDER

Madras, the 25th June, 1973

Sub :—Cancellation of Exchange Control copy of Import Licence bearing No. P/S/1782508/C/XX/46/M/35-36 dated 31-3-73 for Rs. 3,000 for April/March 1973 period.

S.O. 2700.—M/s. Jothi Perfumery Works, 74-A, Annapillai Street, Madras-1, were issued a licence bearing No. P/S/1782508/C/XX/46/M/35-36 dated 31-3-73 for Rs. 3,000 for April/March 1973 period, for import of permissible Aromatic Chemicals other than banned, restricted and canalised, as per April/March 1973 policy, (2) Permissible Natural Essential Oils other than banned, restricted, canalised and also excluding Spearmint Oils and Dementhalised peppermint oil, as per April/March 1973 policy and (3) Resinoids as per April/March 1973 policy. The firm have applied for issue of a duplicate copy of the Exchange Control Copy of the licence only on the ground that the original licence has been misplaced without having been utilised at all. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the Exchange control copy of the Original licence has been lost or misplaced and a duplicate of the same may be issued to the firm.

The original Exchange control copy of the licence in question is hereby cancelled.

[Agen./234/AM/73/SSI(i)]

M. F. R. BIJLI, Jt. Chief Controller

9(सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री फोरजिंग्स प्रा. लि., फरीदाबाद को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2063897/टी/ई आर/43/एच/35-36/सी. जी. 4 दिनांक 30-5-1972 की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

3. उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि लाइसेंसधारी को अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या 1(82)/73-74/सी जी 4]

एच. डी. गुप्ता, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 4th September, 1973

S.O. 2701.—M/s. Forgings Private Ltd., 18/5, Mile Mathura Road, Faridabad, Haryana was granted an import licence No. P/CG/2063897/T/ER|43|H|35-36|CG. IV dated 30-5-72 for Rs. 2,41,982 (Rupees two lakhs fortyone thousand nine hundred and eightytwo only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been misplaced. It is further stated that the original Customs Purposes copy was registered with the Customs authorities at Bombay and was utilised for Rs. 2,19,984 and the balance available on it was Rs. 21,998 only.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit duly sworn in before Notary Public, Maharashtra State, Bombay. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-Clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes copy of Import licence No. P|CG|2063897|T|ER|43|H|35-36|CG. IV dated 30-5-72 issued to M/s. Forgings Private Ltd., Faridabad is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. 1(82)/71-72/CG-IV]

H. D. GUPTA, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1973

का. आ. 2702.—सर्वश्री रैलीवुल्फ लि., लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलन्द, बम्बई को सामान्य क्षेत्र से 55,000/- रुपये मूल्य के अनुमेय फालतू पुर्जों के आयात के लिए एक आयात लाइसेंस सं पी/डी/2187401/आर/एम एल/42/एच/33-34/आर एम 1 दिनांक 28-1-1972 प्रदान किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूलप्रति उनसे खो गई है। लाइसेंस धारी द्वारा और यह सूचना दी गई है कि लाइसेंस पर 3,091/- रुपये शेष छोड़ कर 51,909/- रुपये उपयोग कर लिए गए हैं। लाइसेंस बम्बई में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों से पंजीकृत कराया गया है।

अपने तर्क की पुष्टि में आवेदकों ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं. पी/डी/2187401/आर/एम एल दिनांक 28-1-1972 की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई है और निदेश देता है कि इस की अनुलिपि उनको जारी की जानी चाहिए।

[संख्या टूल्स/81-ए/71-72/आर एम-1/1549]

आई. वी. चुनकत, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 5th September, 1973

S.O. 2702.—M/s. Ralliwolf Ltd., Lal Bahadur Shastri Marg, Mulund, Bombay were granted import licence No. P/D|2187401|R|ML|42|H|33.34|RMI dated 28-1-1972 from General Area for the import of permissible spare parts valued at Rs. 55,000. They have requested for issue of duplicate customs copy of the licence on the ground that the original has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has been utilised for Rs. 51,909 leaving a balance or Rs. 3,091. The licence has been registered with Customs authorities at Bombay.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original customs copy of the licence No. P/D/2187401/R/ML dated 28-1-1972 has been lost and direct that a duplicate customs copy of the licence should be issued to them.

[No. Tools/81-A/71-72/RMI/1549]

I. V. CHUNKATH, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1973

का. आ. 2703.—सर्वश्री विजय टेन्क्स एंड वेसल्स प्रा. लि., बम्बई को 57,000 रुपये (सत्तावन हजार रुपये मात्र) मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं. पी/डी/1374262/आर/एम एल/45/एच/33.34 दिनांक 25-10-72 इस से संलग्न सूची के अनुसार बिना जोड़ वाली इस्पात ट्यूबों के आयात के लिए यू. के. भारत अनुरक्षण ऋण 71 के अधीन प्रदान किया गया था।

अब फर्म द्वारा यह सूचना दी गई है कि विषयाधीन लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रतिसीमा-शुल्क कार्यालय, बम्बई या किसी अन्य पत्तन में पंजीकृत कराए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। अब फर्म ने पूर्ण धन-राशि 57,000/- रुपये के लिए सीमा-शुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए आवेदन किया है।

अपने आवेदन की पुष्टि में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियमों के अन्तर्गत अपेक्षित एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि को जारी की जाए। मूल सीम-शुल्क निकासी प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या मैच.—वी 5(2)/ए. एम. 72/आर. एम. 4]

आई. वी. चुनकत, उपमुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 7th September, 1973

S.O. 2703.—M/s. Vijay Tanks & Vessels Pvt. Ltd., Bombay were granted import licence No. P/D/1374262/R/ML/45/H33.34 dt. 25-10-1972 under UK India M.L. 71 for import of Seamless Steel Tubes as per list attached worth Rs. 57,000/- (Rupees fiftyseven thousand) only.

It has now been reported by the firm that Customs Copy of the licence in question has been lost/misplaced without having registered with Customs Bombay or any other port. The firm have now requested to issue Duplicate Customs Copy for full amount of Rs. 57,000/-.

In support of their request the applicant have filed an affidavit required to be furnished under I.T.C. Rules. The undersigned is satisfied that Customs Copy of the licence captioned above has been lost/misplaced and directs that a Duplicate Customs Copy of the said licence may be issued to them. The original Customs Copy is hereby cancelled.

[No. Mach. V-5(2)/AM 72/RM4]

I. V. CHUNKATH, Dy. Chief Controller

औद्योगिक विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1973

का०आ० 2704.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल–2482 जिसके ब्यौरे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारी के अपने अनुरोध पर 1 जुलाई, 1973 से रद्द कर दिया गया है :

अनुसूची

लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक
सी एम/एल-2482 10-12-1970	मेसर्स कोस्टल सिरैमिक्स एंड क्ले वर्क्स प्रा०लि० चेरुवन्नूर, फेरोक, (केरल राज्य)	(1) 100 मिमी और 150 मिमी व्यास वाले लवण कांचाभ स्टोनवेयर, तथा (2) लगभग 90° कोण पर लगी शाखा वाले वर्गनुमा जोड़ (जंक्शन); 150 मिमी व्यास (आकृति 5ए); छाप **फर्कटाइलफेरोक**	IS : 651-1971 लवण कांचाभ स्टोनवेयर के पाइप और फिटिंग की विशिष्टि (**तीसरा पुनरीक्षण**)

[सी०एम०डी०/55 : 2482]

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, SCIENCE & TECHNOLOGY

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 31 August, 1973

S.O. 2704.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-2488, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 1 July, 1973 at the request of the party:

SCHEDULE

Licence No. and Date	Name & Address of the licences	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
CM/L-2488 10-12-1970	M/s. Coastal Ceramics & Clay Works Pvt. Ltd., Cheruvannur, Feroke, (Kerala State)	(i) Salt-glazed stoneware pipes, 100 mm and 150 mm diametres; and (ii) Square type junction with branch at an angle of approximately 90°, 150 mm diameter (Fig. 5A) Brand: 'FERKTILEFEROKE'	IS: 651-1971 Specification for Salt-glazed stoneware pipe and fittings **(Third Revision)**

[CMD/55: 2482]

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1973

का०आ० 2705.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन् चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल–3250, सी एम/एल–3251 तथा सी एम/एल–3257 जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फर्म द्वारा अपने नाम में परिवर्तन किए जाने के कारण 1 अगस्त, 1973 से रद्द कर दिए गए हैं। नए लाइसेंस फर्म की नई इकाई "एम्को जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता" के नाम से जारी कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल–3250 8-12-1972	मैसर्स एम्को जनरल इंडस्ट्रीज, 6/1 नबाब विलायर जंग रोड, कासीपुर, कलकत्ता-2	समस्त दाब रेटिंग तथा बाहरी व्यासों तक और 50 मिमी सहित पीने के पानी की सप्लाई के लिए अल्प घनत्व पोलीइथाइलीन पाइप छाप '**एम्कोथीन**'	IS : 3076–1968 नलों से पीने का पानी भरने के लिए अल्प घनत्व पोलीइथाइलीन पाइप की विशिष्टि (**पहला पुनरीक्षण**)

1	2	3	4	5
2.	सी एम/एल-325 8-12-1972	मेसर्स एम्को जनरल इंडस्ट्रीज, 95/1 कासीपुर, कलकत्ता-2	अंग्रेजी टट्टियों के लिए प्लास्टिक की सीट तथा ढक्कन (फेनोलिक प्लास्टिक तथा यूरिया फार्माल्डिहाइड) छाप 'एम्कोस'	IS : 2548-1967 अंग्रेजी टट्टियों के लिए प्लास्टिक की सीटें तथा ढक्कन (दूसरा पुनरीक्षण)
3.	सी एम/एल-3257 12-12-1972	मेसर्स एम्को जनरल इंडस्ट्रीज, 6/1 नवाब दिलावर जंग रोड, कासीपुर, कलकत्ता-2	नलों से पीने का पानी भरने के लिए उच्च घनत्व पोलीइथाइलीन पाइप— (1) 315 मि मी तक बाहरी व्यास और 2.5 किग्रा ब/से मी^{2} दाब रेटिंग वाले— (2) 160 मि मी तक बाहरी व्यास और 4 किग्रा ब/से मी^{2} दाब रेटिंग वाले— (3) 63 मि मी तक बाहरी व्यास और 6 किग्रा ब/से मी^{2} दाब रेटिंग वाले, छाप 'एम्कोथीन'	IS : 4984-1972 नलों से पीने के पानी भरने के लिए उच्च घनत्व वाले पोलीइथाइलीन पाइप (पहला पुनरीक्षण)

[मी०एम०डी० 55 : 3250]

New Delhi, the 6th September, 1973

S.O. 2705.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institutions hereby notifies that licences Nos. CM/L3250, CM/L-3251 and CM/L-3257, particulars of which are given below, have been cancelled with effect from 1 August 1973 due to change in the name of the firm. Fresh licences have been issued in the name of the new unit—Emco General Plastic Industries Private Ltd., Calcutta.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and date	Name and Address of the Licensee	Article/process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1.	CM/L3250 8-12-1972	M/s. Emco General Industries, 6/1, Nawab Dilawarjung Road, Cossipore, Calcutta-2	Low density polythylene pipes for potable water supplies of all pressure ratings and outside diameters upto and including 50 mm. Brand : 'EMCOTHENE'	IS: 3076-1968 Specification, for Low density polyethylene pipes for potable water supplies **(first Revision)**
2.	CM/L-3251 8-12-1972	M/s. Emco General Industries 95/1, Cossipore Road, Calcutta-2	Plastic water-closet seats and covers (Phenolic plastics and urea formaldehyde) Brand: 'EMCOS'	IS: 2548-1967 Specification for plastic water-closet seats and covers **(Second Revision)**
3.	CM/L—3257 12-12-1972	M/s. Emco General Industries, 6/1, Nawab Dilawarjung Road, Cossipore, Calcutta-2	High Density polyethylene pipes for potable water supplies: (i) Upto and including 315 mm outside diameter and of pressure rating 2.5 kgf/cm^2; (ii) Upto and including 160 mm outside diameter and of pressure rating 4 kgf/cm^2; and (iii) Upto and including 63 mm outside diameter and of pressure rating 6 kgf/cm^2 Brand: 'EMCOTHENE'	IS: 4984-1972 Specification for High density polyethylene pipes for potable water supplies **(First Revision)**

[CMD : 55 : 3250]

का० आ० 2706—नीचे जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के ब्यौरे दिए गए है या तो वे रद्द हो गए है अथवा उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है :

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या तथा जारी करने की तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबन्धी IS : पद नाम	एस ओ संख्या तथा लाइसेंस स्वीकृत छपने वाले गजट की तिथि	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	सी एम/एल-551 25-6-1963	दि न्यू केमि मिनरल मिल्स, चक्रवर्ती अशोक रोड, क्रास रोड, स० 1, काडीवली पूर्व, बम्बई-67	बी एच सी धूलन पाउडर- IS : 561-1962	एस ओ 2036 दिनांक 20-7-1963	30-4-1973 के बाद रद्द
2.	सी एम/एल-769 24-8-1964	राठी स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, लोनी रोड, दिल्ली-32	सरचना इस्पात (मानक किस्म)- IS : 226-1969	एस ओ 3553 दिनांक 10-10-1964	15-1-1973 के बाद रद्द
3.	सी एम/एल-770 24-8-1964	राठी स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, लोनी रोड, दिल्ली-32	सरचना इस्पात (साधारण किस्म)- IS : 1977-1969	एस ओ 3553 दिनांक 10-10-1964	15-1-1973 के बाद रद्द
4	सी एम/एल-841 25-11-1964	दि न्यू केमि-मिनरल मिल्स, चक्रवर्ती अशोक रोड स० 1 काडीवली (पूर्व) बम्बई-67	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण- IS : 562-1962	एस ओ 79 दिनांक 2-1-1965	30-4-1973 के बाद रद्द
5	सी एम/एल-1263 30-3-1966		एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव- IS : 1310-1958	एस ओ 1263 दिनांक 23-4-1966	30-4-1973 के बाद रद्द
6.	सी एम/एल-1257 29-4-1966		डी डी टी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण- IS : 565-1961	एस ओ 1551 दिनांक 28-5-1966	30-4-1973 के बाद रद्द
7	सी एम/एल-1366 16-12-1966	ग्रामेक सूरी प्रा० लि० जी टी रोड, गाजियाबाद (उ० प्र०)	स्वचलित ब्रेक लाइनिंग टाइप 1-ए और 1-बी- IS : 2742-1964	एस ओ 243 दिनांक 21-1-1967	31-3-1973 के बाद रद्द
8	सी एम/एल-1379 30-12-1966	अलेम्बिक केमिकल वर्क्स कं० लि०, अलेम्बिक रोड, बड़ौदा	पैराथियोन पायसनीय तेज द्रव- IS : 2129-1962	एस ओ 243 दिनांक 21-1-1967	31-3-1973 के बाद रद्द
9	सी एम/एल-1412 27-3-1967	,, ,,	बी एच सी जलविसर्जनीय तेज चूर्ण-IS 562-1962	एस ओ 1531 दिनांक 29-4-1967	31-3-1973 के बाद रद्द
10.	सी एम/एल-1413 27-3-1967	अलेम्बिक केमिकल वर्क्स कं० लि०, अलम्बिक रोड, बड़ौदा	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव- IS : 1310-1958	एस ओ 1531 दिनांक 29-4-1967	31-3-1973 के बाद रद्द
11	सी एम/एल-1549 21-10-1967	दि न्यू केमि मिनरल मिल्स चक्रवर्ती अशोक रोड, क्रास रोड, स० 1, काडीवली पूर्व बम्बई-67	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव- IS : 2567-1963	एस ओ 4258 दिनांक 9-12-1967	30-4-1973 के बाद रद्द
12.	सी एम/एल-2095 30-8-1969	अग्रवाल मेटल वर्क्स प्रा० लि०, अग्रवाल रोड, रिवाड़ी, (हरयाणा)	पिटवा एल्यूमिनियम के बर्तन, ग्रेड एस आई सी- IS : 21-1959	एस ओ 4310 दिनांक 25-10-1969	28-2-1973 के बाद रद्द
13.	सी एम/एल-2225 19-1-1970	जय केमिकल्स, फरीदाबाद (हरयाणा)	बी एच सी जलविसर्जनीय तेज चूर्ण IS : 562-1962	एस ओ 771 दिनांक 28-2-1970	इस लाइसेंस का नवीकरण 31-11-71 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से इसको रद्द माना जाए ।
14	सी एम/एल-2291 26-3-1970	अरुण उद्योग, कोतवाली चौपड़, जयपुर, (राजस्थान)	कपड़े धोने का शुद्ध साबुन ग्रेड 1- IS : 285-1964	एस ओ 1508 दिनांक 25-4-1970	30-9-1972 के बाद रद्द

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15.	सी एम/एल-2472 30-11-1970	कोहनूर पेंट करल एण्ड वार्निश वर्क्स, छेहरटा, अमृतसर	भारतीय मानक रंगों के अनुरूप रंग रोगन के पेस्ट IS : 86-1950 IS : 94-1950 और भीतरी सफेद रंग रोगन के लिए पेस्ट– IS : 96-1950	एस ओ 3593 दिनांक 2-10-1971	इस लाइसेंस का नवीकरण 30-11-1971 के बाद स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए ।
16.	सी एम/एल-2483 22-12-1970	वायज इंडियन पेस्टीसाइडस प्रा० लि०, 16-बी, मौलाअली, इंडस्ट्रियल इस्टेट, हैदराबाद-40	बी एच सी धूलन पाउडर IS : 561-1962	एस ओ 2014 दिनांक 22-5-1971	30-6-1972 के बाद रद्द
17.	सी एम/एल-2571 26-2-1971	दि सुपर टैनरी, जाजमऊ कानपुर	पूर्णक्रोम ऊपर का चमड़ा– IS : 578-1964	एस ओ 5037 दिनांक 6-11-1971	28-2-1973 के बाद रद्द
18.	सी एम/एल-2574 3-3-1971	एसोसियेटेड ब्रुअरीज एण्ड डिस्टिलरीज, कोर्टलिम (गोआ)	बियर– IS : 3865-1966	एस ओ 2405 दिनांक 19-6-1971	28-2-1973 के बाद रद्द
19.	सी एम/एल-2644 30-3-1971	इंडस्ट्रियल मेन्यू० 525, सायनी रोड, बम्बई-25.	सामान्तर की– IS : 2048-1962	,,	31-3-1973 के बाद रद्द
20.	सी एम/एल-2800 5-11-1971	हिन्दुस्तान टिम्बर सिंडीकेट, इंडस्ट्रियल इस्टेट, कटुवा (जम्मू एण्ड कश्मीर)	चाय की पेटियों की पट्टियां IS : 10-1970	एस ओ 403 दिनांक 5-2-1972	इस लाइसेंस का नवीकरण 15-11-1972 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से इसको रद्द माना जाए ।
21.	सी एम/एल-2898 4-2-1972	स्विस वेल्डेड मेश कं० (प्रा०, लि०, ए-7, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बातूर, मद्रास-56.	सामान्य उपयोग के लिए वेल्डकृत इस्पात के तार की जाली– IS : 4948-1968	एस ओ 2801 दिनांक 14-10-1972	इस लाइसेंस का नवीकरण 15-2-1973 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से इसको रद्द माना जाए ।
22.	सी एम/एल-2984 16-3-1972	फेरनान फाउन्ड्री 3/30, खंधारी रोड, आगरा (उ० प्र०)	बाधू ढले लोहे के मल पाइप (केवल 50 मिमी साइज) IS : 1729-1964	एस ओ 887 दिनांक 24-3-1973	15-3-1973 के बाद रद्द
23.	सी एम/एल-776 28-9-1964	भागसंस पेंट इंडस्ट्रीज (इंडिया), 16-डी एल एफ इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15.	खिड़कियों के फ्रेमों में प्रयुक्त पट्टी– IS : 419-1967	एस ओ 3553 दिनांक 10-10-1964	16-4-1973 से 30-6-1974 तक स्थगित
24.	सी एम/एल-1571 23-11-1967	कछार प्लाइवुड लि०, गुप्बीरा टी इस्टेट, डाकघर ओलिवियाचेरा, जिला कछार (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते– IS : 10-1970	एस ओ 4558 दिनांक 23-12-1967	31-12-1972 के बाद स्थगित
25.	सी एम/एल-1662 27-3-1967	चालिहा रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, 13-चंडी-तल्ला लेन, टोलीगंज, कलकत्ता-40.	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए साधारण इस्पात के तार– IS : 280-1962	एस ओ 1470 दिनांक 27-4-1968	31-3-1973 के बाद स्थगित
26.	सी एम/एल-1666 1-4-1968	यूनाइटेड पुल्वराइजर्स, बोदला, आगरा-7.	बी एच सी धूलन पाउडर– IS : 561-1962	एस ओ 2127 दिनांक 15-6-1968	31-3-1973 के बाद स्थगित
27.	सी एम/एल-1768 30-8-1978	राजश्री इंडस्ट्रीज, भोपाल (म० प्र०)	पेंट और वार्निश के मूल्यांकन– IS : 384-1971	एस ओ 3677 दिनांक 19-10-1968	30-4-1973 के बाद स्थगित
28.	सी एम/एल-1868 14-10-1968	दि मिनरल माइनिंग कं० प्रा० लि०, डाकघर रायल चेरुवा, टाडपत्रि तालुक अनन्तपुर जिला (आ०प्र०)	बी एच सी धूलन पाउडर– IS : 561-1962	एस ओ 4257 दिनांक 30-11-1968	15-10-1972 के बाद स्थगित
29.	सी एम/एल-1820 25-10-1968	यूनाइटेड पुल्वराजर्स, बोडला आगरा-7.	डी डी टी धूलन पाउडर IS : 564-1961	एस ओ 4257 दिनांक 30-11-1968	31-3-1973 के बाद स्थगित

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
30. सी एम/एल–1948 31-3-1969	भागसंस पेंट इंडस्ट्रीज (इंडिया) 16-डी एल एफ इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	भीतरी इनैमल IS : 133-1965	एस ओ 4257 दिनांक 3-5-1969	16-4-1973 से 30-6-1973 तक स्थगित
31. सी एम/एल-1954 16-4-1969	,, ,,	तैयार मिश्रित रंगरोगन– IS : 123-1962, IS : 158-1965; और IS : 3536-1966	एस ओ 2238 दिनांक 7-6-1969	16-4-1973 से 30-6-73 तक स्थगित
32. सी एम/एल-1970 16-5-1969	,, ,,	डेस्टेम्पर– IS : 427-1965 और IS : 428-1953	एस ओ 2551 दिनांक 28-6-1969	16-4-1973 से 19-6-1973 तक स्थगित
33. सी एम/एल-2421 12-10-1970	सोम इंजीनियरी कारपोरेशन, 96 बी-कोआ-परेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोविन्द नगर, कानपुर	नोदन प्रकार के एमी सवातन पंखे IS : 2312-1967	एस ओ 561 दिनांक 30-1-1971	15-4-1973 के बाद स्थगित
34. सी एम/एल-2605 29-3-1971	दि मोटवाने मैन्यु० कं०, ज्ञानबाग, नासिक रोड, (मध्य रेलवे) (महाराष्ट्र)	सुवाहय बहुविध बिजली के सूचक यंत्र– IS : 3107-1965	एस ओ 2405 दिनांक 19-6-1971	31-3-1973 के बाद स्थगित
35. सी एम/एल–2609 29-3-1971	प्रभात आयरन फाउंड्री एण्ड मेटल इंडस्ट्रीज, सी/8, इंडस्ट्रियल इस्टेट, रूरकेला–4, जिला सुन्दरगढ़ उड़ीसा	मूत्रालयों और डब्लयू सी की फ्लश की टंकियां– IS : 774-1964	एस ओ 2405 दिनांक 19-6-1971	31-3-1973 के बाद स्थगित
36. सी एम/एल–2635 29-3-1971	काका बिस्कुट मैन्य० क० 49 बी, कानपुर इंडस्ट्रियल कोआपरेटिव इस्टेट, गोविन्द नगर, कानपुर (कार्यालय : 108/131 सीसामऊ बाजार, कानपुर–12.	बिस्कुट– IS : 1011-1968	,, ,,	31-3-1973 के बाद स्थगित
37. सी एम/एल–2761 13-9-1971	बैजनाथ अशर्फीलाल, डी सी रोड, अम्बाला छावनी	सामान्य जलसह तिरपाल– IS : 2089-1962	एस ओ 2403 दिनांक 2-9-1972	15-9-1972 के बाद स्थगित
38. सी एम/एल–2842 15-12-1971	फोरमोस्ट डेरीज लि०, देहरादून रोड, डाक-घर कैलाशपुर जिला सहारनपुर (उ०प्र०) (कार्यालय : शुकाना रोड, मुजफ्फरनगर)	दूध पाउडर (शुद्ध तथा सेपेरेटा)– IS : 1165-1967	एस ओ 2769 दिनांक 7-10-1972	15-12-1972 के बाद स्थगित
39. सी एम/एल–2943 28-2-1972	याराना फीडस एण्ड फार्मस, तबीब रोड, हुबली, (मैसूर राज्य)	मुर्गियों का चुग्गा– IS : 1374-1968	एस ओ 2801 दिनांक 14-10-1972	15-3-1973 के बाद स्थगित
40. सी एम/एल–2952 28-2-1972	कल्याण उद्योग 107/ए, राजादिनेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-6.	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड की धातु के फिटिंग– IS : 10-1970	एस ओ 2801 दिनांक 14-10-1972	15-3-1973 के बाद स्थगित
41. सी एम/एल–2964 10-3-1972	दि इंडस्ट्रियल गैसेस लि०, 146-अबूल रोड, हावड़ा-3 (प० बंगाल)	एक चालक वाले रेक्टीफायर नुमा डी सी आर्क वेल्डर डी सी धारा रेटिंग 250 अम्पी– IS : 4559-1968	एस ओ 887 दिनांक 24-2-1973	15-3-1973 के बाद स्थगित
42. सी एम/एल–2995 28-3-1972	एक्सट्रूजन, 5-नवाबपट्टी स्ट्रीट, कासीपुर-कलकत्ता-2.	अल्पघनत्व पोलीइथाइलीन फिल्म– IS : 2508-1963	एस ओ 887 दिनांक 24-2-1973	15-4-1973 के बाद स्थगित
43. सी एम/एल–2996 28-3-1972	एक्सट्रूजन, 208 बी-टी रोड, सोदपुर 24-परगना (प० बंगाल)	अल्पघनत्व पोलीइथाइलीन फिल्म– IS : 2508-1963	,, ,,	15-4-1973 के बाद स्थगित
44. सी एम/एल–3009 30-3-1972	पंजाब गेज एण्ड लाइट ग्लास क०, सेक्टर 25, बल्लभगढ़ (हरयाणा)	परतदार बचाव कांच (शीशा) IS : 2553-1961	,, ,,	31-3-1973 के बाद स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45.	सी एम/एल-3020 30-3-1972	फैक्टरी इंडिया, 41 ए, चार बागान, कलकत्ता-7	बिजली द्वारा वेल्डिंग के साज सामान- IS : 2641-1964	एस ओ 887 दिनांक 24-2-1973	31-3-1973 के बाद स्थगित
46.	सी एम/एल-3021 30-3-1972	रामतीर्थ आयरन एण्ड स्टील रि-रोलिंग मिल्स, मंडी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला (पंजाब)	सरचना इस्पात (मानक किस्म)- IS : 226-1969	,, ,,	31-3-1973 के बाद स्थगित
47	सी एम/एल-3022 30-3-1972	रामतीर्थ आयरन एण्ड स्टील रि-रोलिंग मिल्स, मंडी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला (पंजाब)	सरचना इस्पात (साधारण किस्म)- IS : 1977-1969	,, ,,	31-3-1973 के बाद स्थगित
48.	सी एम/एल-3038 30-3-1973	भारत कार्बन एण्ड रिबन मैन्यू० कं० लि०, 66-ए इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, (हरयाणा)	टाइपराइटर के रिबन- IS : 1174-1967	,, ,,	15-4-1973 के बाद स्थगित
49.	सी एम/एल-3040 30-3-1972	नेशनल पेस्टीसाइड्स 5-इंडस्ट्रियल इस्टेट, विदिशा (म० प्र०)	डी डी टी जलविसर्जनीय तेज चूर्ण- IS : 565-1961	,, ,,	15-4-1973 के बाद रद्द

[CMD/13:14]

S.O. 2706.—Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have lapsed or their renewals deferred:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and date of Issue	Name and address of the Licensee	Article/Process and the Relevant IS: Designation	S.O. Number and Date of Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-551 25-6-1963	The New Chemi Mineral Mills, Chakravarti Ashoka Road, Cross Road No. 1, Kandivli East, Bombay-67.	BHC — dusting powders — IS: 561-1962	S.O. 2036 dated 20-7-1963	Lapsed after 30-4-1973
2.	CM/L-769 24-8-1964	Rathi Steel Rolling Mills P. Ltd., Loni Road, Delhi-32.	Structural Steel (Standard Quality) — IS: 226-1969	S.O. 3553 dated 10-10-1964	Lapsed after 15-1-1973
3.	CM/L-770 24-8-1964	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality) — IS: 1977-1969	Do.	Lapsed after 15-1-1973
4.	CM/L-841 25-11-1964	The New Chemi-Mineral Mills, Chakravarti Ashoka Road No. 1, Kandivli (East), Bombay-67.	BHC water dispersible powder concentrates — IS: 562-1962	S.O. 79 dated 2-1-1965	Lapsed after 30-4-1973
5.	CM/L-1235 30-3-1966	Do.	Endrin emulsifiable concentrates — IS: 1310-1958.	S.O. 1263 dated 23-4-1966	Lapsed after 30-4-1973
6.	CM/L-1257 29-4-1966	Do.	DDT water dispersible powder concentrates — IS: 565-1961	S.O. 1551 dated 28-5-1966	Lapsed after 30-4-1973
7.	CM/L-1366 16-12-1966	Bramec Suri Pvt. Ltd., G.I. Road, Ghaziabad (U.P.)	Automotive brake lining, Types I-A and I-B — IS: 2742-1964	S.O. 243 dated 21-1-1967	Lapsed after 31-3-1973
8.	CM/L-1379 30-12-1966	Alembic Chemical Works Co. Ltd, Alembic Road, Baroda.	Parathion emulsifiable concentrates — IS: 2129-1962	Do.	Lapsed after 31-3-1973
9.	CM/L-1412 27-3-1967	Do.	BHC water dispersible concentrates — IS: 562-1962	S.O. 1531 dated 29-4-1967	Lapsed after 31-3-1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10.	CM/L-1413 27-3-1967	Alembic Chemical Works Co. Ltd., Alembic Road, Baroda.	Endrin emulsifiable concentrates — IS: 1310-1958	S.O. 1531 dated 29-4-1967	Lapsed after 31-3-1973
11.	CM/L-1549 24-10-1967	The New Chemi Mineral Mills Pvt. Ltd., Chakravarti Ashoka Road, Cross Road No. 1, Kandivli (East), Bombay-67.	Malathion emulsifiable concentrates — IS: 2567-1963	S.O. 4258 dated 9-12-1967	Lapsed after 30-4-1973
12.	CM/L-2095 30-9-1969	Agarwal Metal Works Pvt. Ltd., Agarwal Road, Rewari (Haryana).	Wrought aluminium utensils, Grade SIC — IS: 21-1959	S.O. 4310 dated 25-10-1969	Lapsed after 28-2-1973
13.	CM/L-2225 19-1-1970	Jai Chemicals, Faridabad (Haryana).	BHC WDPC — IS: 562-1962	S.O. 771 dated 28-2-1970	Renewal was deferred after 30-11-71; the licence now stands lapsed after that date.
14.	CM/L-2291 26-3-1970	Arun Udyog, Kotwali Chopar, Jaipur (Rajasthan).	Laundry soap, pure, Grade I — IS: 285-1964	S.O. 1508 dated 25-4-1970	Lapsed after 30-9-1972
15.	CM/L-2472 30-11-1970	Kohinoor Paint Colour & Varnish Works, Chheharta, Amritsar.	Oil paste for paints to Indian Standard colours — IS: 86-1950 & IS: 94-1950 and Oil paste for paints, interior, White — IS: 96-1950	S.O. 3593 dated 2-10-1971	Renewal was deferred after 30-11-1971; the licence now stands lapsed after that date.
16.	CM/L-2483 22-12-1970	Vayaz Indian Pesticidex Pvt. Ltd., 16-B, Moula Ali, Industrial Estate, Hyderabad-40.	BHC dusting powders — IS: 561-1962	S.O. 2014 dated 22-5-1971	Lapsed after 30-6-1972
17.	CM/L-2571 26-2-1971	The Supper Tannery, Jajmau, Kanpur.	Full-chrome upper leather — IS: 578-1964	S.O. 5037 dated 6-11-1971	Lapsed after 28-2-1973
18.	CM/L-2574 3-3-1971	Associated Breweries & Distilleries, Cortalim (Goa).	Beer — IS: 3865-1966	S.O. 2405 dated 19-6-1971	Lapsed after 28-2-1973
19.	CM/L-2644 30-3-1971	Industrial Manufacturers, 525, Sayani Road, Bombay-25.	Parallel keys — IS: 2048-1962	Do.	Lapsed after 31-3-1973
20.	CM/L-2800 5-11-1971	Hindustan Timber Syndicate, Industrial Estate, Kathua (J & K).	Tea-chest battens — IS: 10-1970	S.O. 403 dated 5-2-1972	Renewal was deferred after 15-11-1972; the licence now stands lapsed after that date.
21.	CM/L-2898 4-2-1972	Swiss Welded Mesh Co. (P) Ltd., A-7, Industrial Estate, Ambatur, Madras-56.	Welded steel wire fabric for general use — IS: 4948-1968	S.O. 2801 dated 14-10-1972	Renewal was deferred after 15-2-1973; the licence now stands lapsed after that date.
22.	CM/L-2984 16-3-1972	Fernon Foundry, 3/30, Khandhari Road, Agra (U.P.)	Sand cast iron soil pipes (50 mm Size only) — IS: 1729-1964	S.O. 887 dated 24-3-1973	Lapsed after 15-3-1973
		LICENCES DEFERRED			
23.	CM/L-776 28-9-1964	Bhagsons Paint Industries (India), 16-A, D.L.F., Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Putty for use on window frames — IS: 419-1967	S.O. 3553 dated 10-10-1964	Deferred from 16-4-73 to 30-6-73.
24.	CM/L-1571 23-11-1967	Cachar Plywood Ltd., Goombira Tea Estate, P.O. Oliviacherra, Distt. Cachar (Assam).	Tea-chest plywood panels — IS- 10-1970	S.O. 4568 dated 23-12-1967	Deferred after 31-12-1972
25.	CM/L-1662 27-3-1968	Chaliha Rolling Mills Pvt. Ltd., 13, Chanditola Lane, Tollygunge, Calcutta-40.	Mild steel wire for general engineering purposes — IS: 280-1962	S.O. 1470 dated 27-4-1968	Deferred after 31-3-1973
26.	CM/L-1666 1-4-1968	United Pulverisers, Bodla, Agra-7.	BHC dusting powders — IS- 561-1962	S.O. 2127 dated 15-6-1968	Deferred after 31-3-1973
27.	CM/L-1778 30-8-1968	Raj Brush Industries, Bhopal (M.P.)	Brushes, paints & varnishes — IS: 384-1971	S.O. 3677 dated 19-10-1968	Deferred after 30-4-1973
28.	CM/L-1808 14-10-1968	The Mineral Mining Co. Pvt. Ltd., P.O. Rayalcheruva Tadpatri TQ, Anantapur Distt. (A.P.)	BHC dusting powders — IS: 561-1962	S.O. 4257 dated 30-11-1968	Deferred after 15-10-1972
29.	CM/L-1820 25-10-1968	United Pulverisers, Bodla, Agra-7.	DDT dusting powders — IS: 564-1961	S.O. 4257 dated 30-11-1968	Deferred after 31-3-1973
30.	CM/L-1948 31-3-1969	Bhagsons Paint Industries (India), 16 D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Enamel, Interior — IS: 133-1965	S.O. 1639 dated 3-5-1969	Deferred from 16-4-73 to 30-6-73.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
31.	CM/L-1954 16-4-1969	Bhagsons Paint Industries (India), 16 D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Ready mixed paints — IS: 123-1962; IS: 158-1965; and IS: 3536-1966	S.O. 2238 dated 7-6-1969	Deferred from 16-4-73 to 30-6-73
32.	CM/L-1970 16-5-1969	Do.	Distemper — IS: 427-1965; and IS: 428-1953	S.O. 2551 dated 28-6-1969	Deferred from 16-4-73 to 30-6-73
33.	CM/L-2424 12-10-1970	Some Engineering Corpn., 96-B, Co-operative, Industrial Estate, Govind Nagar, Kanpur.	Propeller type ac ventilating fans — IS: 2312-1967	S.O. 561 dated 30-1-1971	Deferred after 15-4-1973
34.	CM/L-2605 29-3-1971	The Motwane Mfg. Co. P. Ltd., Gyan Baug, Nasik Road, (C. Rly.) (Maharashtra)	Portable multipurpose electrical indicating instruments —IS: 3107-1965	S.O. 2405 dated 19-6-1971	Deferred after 31-3-1973
35.	CM/L-2609 29-3-1971	Prabhat Iron Foundry & Metal Industries, C-8, Industrial Estate, Rourkela-4, Distt. Sundargarh (Orissa).	Flushing cisterns for water closets and urinals — IS: 774-1964	Do.	Deferred after 31-3-1973
36.	CM/L-2635 29-3-1971	Kaka Biscuits Mfg. Co., 49-B, Kanpur Industrial Co-operative Estate, Govind Nagar, Kanpur (Office: 108/131, Sisman Bazar, Kanpur-12).	Biscuits — IS: 1011-1968	Do.	Deferred after 31-3-1973
37.	CM/L-2761 13-9-1971	Baij Nath Asharfi Lal, D.C. Road, Ambala Cantt.	Common Proofed paulins (Tarpaulins) — IS: 2089-1962	S.O. 2403 dated 2-9-1972	Deferred after 15-9-1972
38.	CM/L-2842 15-12-1971	Foremost Dairies Ltd., Dehra Dun Road, P.O. Kailashpur, Distt. Saharanpur (U.P.) (Office: Budhana Road, Muzaffarnagar).	Milk powder (whole & skim) — IS: 1165-1967	S.O. 2769 dated 7-10-1972	Deferred after 15-12-1972
39.	CM/L-2943 28-2-1972	Yarana Feeds & Farms, Tabibe Road, Hubli (Mysore State).	Poultry Feeds — IS: 1374-1968	S.O. 2801 dated 14-10-1972	Deferred after 15-3-1973
40.	CM/L-2952 28-2-1972	Kayan Udyog, 107-A, Raja Dinendra Street, Calcutta-6.	Tea-chest plywood metal fittings — IS: 10-1970	Do.	Deferred after 15-3-1973
41.	CM/L-2964 10-3-1972	The Industrial Gases Ltd., 146, Andul Road, Howrah-3 (W. Bengal).	Single operator rectifier type dc arc welders, current rating; 250 A — IS: 4559-1968	S.O. 887 dated 24-3-1973	Deferred after 15-3-1973
42.	CM/L-2995 28-3-1972	Extrusions, 5, Nawabputty Street, Cossipore, Calcutta-2.	Low density polyethelene films — IS: 2508-1963	Do.	Deferred after 15-4-1973
43.	CM/L-2996 28-3-1972	Extrusions, 208, B.T. Road, Sodepur, 24-Parganas (W. Bengal).	Low density polyethelene films — IS: 2508-1963	Do.	Deferred after 15-4-1973
44.	CM/L-3009 30-3-1972	Punjab Gauge & Light Glass Co., Sector 25, Ballabhgarh, (Haryana).	Laminated safety glass — IS:2553-1964	Do.	Deferred after 31-3-1973
45.	CM/L-3020 30-3-1972	Frankly India, 4/A, Chore Bagan, Calcutta-7.	Electrical welding accessories — IS- 2641-1964	Do.	Deferred after 31-3-1973
46.	CM/L-3021 30-3-1972	Ram Tirath Iron & Steel Re-rolling Mills, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala (Punjab).	Structural steel (Standard Quality) — IS: 226-1969	Do.	Deferred after 31-3-1973
47.	CM/L-3022 30-3-1973	Do.	Structural steel (Ordinary Quality) — IS: 1977-1969	Do.	Deferred after 31-3-1973
48.	CM/L-3038 30-3-1972	Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., 66-A, Industrial Area, Faridabad (Haryana).	Typewriter ribbons — IS: 4174-1967	Do.	Deferred after 15-4-1973
49.	CM/L-3040 30-3-1972	National Pesticides, 5, Industrial Estate, Vidisha (M.P.).	DDT water dispersible powder concentrates — IS: 565-1961	Do.	Lapsed after 15-4-1973

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1973

का०आ० 2707.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि मानक-चिह्न जिनकी डिजाइन और शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षकों सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं :

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न उनके आगे दी गई तिथियों से लागू हो जाएंगे :

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या तथा शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	जारी करने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	आईएस:2640	पलाईटिक वर्ध्य लोहे की ढली वस्तुएं	IS:2640–1964 पलाईटिक वर्ध्य लोहे की ढली वस्तुओं की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली तथा अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।	1 अगस्त, 1973
2.	आईएस:3903	डाइमिथोएट पायसनीय तेज द्रव	IS:3903–1966 डाइमिथोएट पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली तथा अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।	16 जून, 1973

[सी०एम०डी० / 13:9]

New Delhi, the 7th September, 1973

S.O. 2707.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl No.	Design of the Standard Mark.	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS: 2640	Pearlitic malleable iron castings	IS: 2640-1964 Specification for pearlitic malleable iron castings	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proport ions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Aug. 1973
2.	IS: 3903	Dimethoate emulsifiable concentrates	IS: 3903-1966 Specification for dimethoate emulsifiable concentrates	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 June 1973

[No. CMD/13:9]

का०आ० 2708.—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3 उपखण्ड 2 दिनांक 3 फरवरी, 1962 में छपी तत्कालीन वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या 311 दिनांक 19 जनवरी, 1962 को अतिक्रमित करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्टियरिक अम्ल, तकनीकी के मानक चिह्न का पुनरीक्षण कर दिया गया है। इस मानक चिह्न की पुनरीक्षित डिजाइन तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक तथा शाब्दिक विवरण सहित यहां अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अन्तर्गत निर्धारित विनियम के निमित्त यह मानक चिह्न 11 जुलाई, 1973 से लागू हो जाएगा।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की सं० तथा शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
		स्टियरिक अम्ल, तकनीकी	आई यस: 1675–1971 स्टियरिक अम्ल, तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें आई यस आई शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी हुई है और नीचे की ओर तत्सम्बन्धी टाइप पदनाम स्तम्भ (2) में टाइप 1 से टाईप 5 तक दिखाए रूप में दिए गए हैं।

[सी०एम०डी०/13 : 9]

S.O. 2708.—In supersession of the then Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) Notification No. 344 dated 19 January, 1962 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 3 February, 1962, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Marks for stearic acid, technical have been revised. The revised designs of the Standard Marks together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the designs are shown in the Schedule given hereafter.

These Standard Marks for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 11 July, 1973:

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
		Stearic acid, technical	IS: 1675-1971 Specification for stearic acid, technical **(first revision)**	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram and the relevant type designation being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the designs for TYPE 1 to TYPE 5 shown in Col (2)

[CMD/13-9]

का०आ० 2709.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार तथा आई यस: 1517–1972 दूध की छन्नी की विशिष्टि (**पहला पुनरीक्षण**) के प्रकाशित होने के फलस्वरूप अधिसूचित किया जाता है कि आई यस: 1733–1960 दूध की एल्युमिनियम की छन्नी की विशिष्टि जिसके ब्यौरे अधिसूचना संख्या एस ओ 814 दिनांक 3 अप्रैल, 1961 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3 उपखण्ड 2 दिनांक 15 अप्रैल, 1961 में छपे थे, रद्द कर दिया गया है। आई यस: 1733–1960 में दी गई अपेक्षाएं आई मस: 1517–1972 में शामिल कर ली गई हैं।

[सं०सी०एम०डी०/13 : 7]

S.O.2709.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, and consequent upon publication of IS: 1517-1972 Specification for milk strainers (**first revision**), it is hereby, notified that IS: 1733-1960 Specification for aluminium milk strainers, details of which were published under notification number S.O. 814 dated 3 April, 1961, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 15 April, 1961, has been cancelled. The requirements of IS: 1733-1960 have been covered in IS: 1517-1972.

[No. CMD/13:7]

का०आ० 2710.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहराकन फीसें जिनके ब्यौरे अनुसूची में दिए गए हैं, निर्धारित की गई है और ये फीसें आगे दिखाई गई तिथियों से लागू हो जाएंगी :

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	पलाईटिक वर्ध्य लोहे की ढली वस्तुएं	आई एस 2640-1964 पलाईटिक वर्ध्य लोहे की ढली वस्तुओं की विशिष्टि	एक मीटरी टन	रु. 2.00	1 अगस्त, 1973
2.	डाइमिथोएट पायसनीय तेज द्रव	आई एस 3903-1966 डाइमिथोएट पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	एक लीटर	1. पहली 100000 इकाइयों के लिए 3 पैसे प्रति इकाई; 2. अगली 200000 इकाइयों के लिए 2 पैसे प्रति इकाई; और 3. 300001 वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए 1 पैसा प्रति इकाई।	16 जून, 1973

[सं०सी०एम०डी०/13:10]

S.O. 2710.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product.	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Pearlitic malleable iron castings	IS: 2640-1964 Specification for pearlitic malleable iron castings	One Tonne	Rs. 2 00	1 August, 1973
2.	Dimethoate emulsifiable concentrates	IS: 3903-1966 Specification for dimethoate emulsifiable concentrates	One litre	(i) 3 paise per unit for the first 100000 units; (ii) 2 paise per unit for the next 200000 units and (iii) 1 paisa per unit for the 30000 1st unit and above	16 June 1973

[No. CMD 13:10]

का० आ० 2711—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड 2, दिनांक 2 जून, 1973 में छपी औद्योगिक विकास, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या 1556 दिनांक 18 मई, 1973 को आंशिक रूप से संशोधित करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उठाने के कार्यों लिए प्रयुक्त अन-अंशांकित भारवाही चेनों सम्बन्धी मानक-चिन्ह की डिजाइन का पुनरीक्षण किया गया है। इस मानक-चिह्न की पुनरीक्षित डिजाइन, तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक तथा शाब्दिक विवरण सहित यहां अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अन्तर्गत निर्धारित विनियम के निमित यह मानक-चिह्न 20 जुलाई, 1973 से लागू हो जाएगी :

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की सं० तथा शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
1.	IS 2429 Part 1	उठाने के कार्यों के लिए अन-अंशांकित भारवाही चेन	आई० एस० : 2429 (भाग 1)-1970 इस्पात की गोल छोटी कड़ी वाली चेन (बिजली द्वारा बट वेल्डकृत) ग्रेड 30 की विशिष्टि भाग 1 उठाने के कार्यों के लिए अन-अंशांकित भारवाही चेन (दूसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई०एस०आई' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली तथा अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उसे मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है तथा मोनोग्राम के नीचे की ओर जैसा डिजाइन में दिखाया गया है, ग्रेड पदनाम अर्थात "भाग 1" दिया गया है।

[सं० सी०एम०डी० / 13 : 9]

S.O.2711.—In partial modification of the Ministry of Industrial Development, Science and Technology (Indian Standards Institution) Notification No. 1556 dated 18 May, 1973 published in the Gazette of India Part II, Section 3 Sub-section (ii), dated 2nd June, 1973, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark for non-calibrated load chain for lifting purposes, has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is shown in the Schedule given hereafter.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 20th July, 1973:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.	IS: 2429 Part 1	Non-calibrated load chain for lifting purposes	IS: 2429 (Part I)-1970 Specification for round steel short link chain (electric butt welded), grade 30 part I non-calibrated load chain for lifting purposes **(second revision)**	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the grade designation, namely the words 'Part I,' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1973

का०आ० 2712.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है है कि उक्त विनियम 3 के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकार के अधीन यहां अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं:

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की पदसंख्या	जिस राजपत्र में भारतीय मानक तैयार होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या और दिनांक	संशोधन संख्या और दिनांक	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	IS: 153390-1965 पारेवाले रुधिरदाब मापी की विशिष्टि	एस० ओ० 1756 दिनांक 11 जून 1966	सं० 5 सितम्बर 1973	(पृष्ठ 5, खण्ड 4 8, 1)—अतिरिक्त पैराग्राफ के रूप में निम्नलिखित सामग्री को अंत में जोड़ दीजिए: "जब 3, 1, 2 में बताई अपेक्षाओं के अनुसार बंधक सम्बन्धी अन्य कोई सुविधापूर्ण व्यवस्था कर ली गई हो तो कफ के माप निर्माता और खरीदार के बीच हुए समझौते के अनुसार रखे जा सकते हैं।"	1 सितम्बर 1973

[सं० सी०एम०डी०/13:5]
डी० दास गुप्ता, उप-महानिदेशक

New Delhi, 11th September 1973

S.O. 2712.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment to the Indian Standard given in the schedlue hereto annexed has been issued under the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
1	2	3	4	5	6
1.	IS:3390-1965 Specification for sphygmomanometers, mercurial	S.O. 1756 dt. 11th June, 1966	No. 5 Sep. 1973	(**Page 5 Clause**–4.8.1)-Add the following matter at the end as an additional paragraph: 'When any other convenient type of fastening arrangement as specified in 3,1,2 is used, the cuffs may have dimensions as agreed to between the manufacturer and the purchaser'.	1st Sep. 1973

[No. CMD/13:5]
D. DAS GUPTA Deputy,Director General

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

पेट्रोलियम विभाग

नई दिल्ली, 7 सितम्बर 1973

शुद्धि पत्र

का० आ० 2713—पृष्ठ संख्या 5168 पर दिनांक 9-10-71 के भारत सरकार के राजपत्र भाग —2, खंड—3, उपखंड (2) में का०आ० संख्या 3629 के अंतर्गत पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में भारत सरकार की दिनांक 7-9-1971 की अधिसूचना (संख्या 11(1)—71—लेबर एंड लेजिस) में।

गांव का नाम मोतीपुरा तालुका कैम्बे जिला केरा ।

"पढ़िए"			"के स्थान पर"		
हैक्टर	ए आर ई०	ए आर ई	हैक्टर	ए आर ई	पी ए आर ई
0	9	06	0	0	06

संख्या 11(1)—71—लेबर एंड लेजिस

]बी०आर० भल्ला, अवर सचिव,]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 7th September, 1973.

ERRATUM

S.O.2713.—In the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals & Mines & Metals (No.11 (1)/71-Lab & Legis) dated 7-9-1971 under S.O. No. 3629 in the Gazette of Government of India Part II Sec. 3 sub sec. (ii) dated 9-10-71 at page No. 5168.

Name of village Motipura Tal. Combay Dist. Kaira.

"READ"				"FOR"		
Survey No.	Hectare	Are	P. Are	Hectare	Are	P. Are.
23	0	9	06	0	0	06

[No. 11(1)/71-Lab & Legis]

(B. R. Bhalla) Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1973

का. आ. 2714.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) के खण्ड 13 के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची के भाग 2 में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः :—

उपर्युक्त भाग 2 में "एम. डी. (मोडेना विश्वविद्यालय), मोडेना, इटली" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जायेंगी, नामतः —

"एफ. आर. सी. एस. (कनाडा)

संयुक्त राज्य अमेरिका की निम्नलिखित मान्य परीक्षा बोर्डों के

सर्टीफिकेट/डिप्लोमा

(1) अमेरिकन बाल रोग चिकित्सा बोर्ड

(2) अमेरिकन मनश्चिकित्सा तथा स्नायिका विज्ञान बोर्ड

(3) अमेरिकन विकलांग सर्जरी बोर्ड

(4) अमेरिकन त्वचा विज्ञान बोर्ड

(5) अमेरिकन विकिरण चिकित्सा बोर्ड

(6) अमेरिकन मूत्र-विज्ञान बोर्ड

(7) अमेरिकन प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान बोर्ड

(8) अमेरिकन काय-चिकित्सा बोर्ड

(9) अमेरिकन रोग विज्ञान बोर्ड

(10) अमेरिकन नेत्र-विज्ञान बोर्ड

(11) अमेरिकन कर्ण-कण्ठ विज्ञान बोर्ड

(12) अमेरिकन सर्जरी बोर्ड

(13) अमेरिकन विसंज्ञा शास्त्र बोर्ड

(14) अमेरिकन प्लास्टिक सर्जरी बोर्ड

(15) अमेरिकन वक्षिका सर्जरी बोर्ड

(16) अमेरिकन शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वासन बोर्ड

(17) अमेरिकन निरोधक और सामाजिक आयुर्विज्ञान बोर्ड

(18) वक्ष-सर्जरी बोर्ड (अमेरिकन सर्जरी बोर्ड का सम्बद्ध बोर्ड)"

[संख्या वी. 11015/13/73 एम. पी. टी.]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 30th August, 1973

S.O. 2714.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following

further amendments in Part II of the Third Schedule to the said Act, namely :—

In the said art II, after the entry "M.D. (University of Modena), Modena, Italy", the following entries shall be inserted, namely :—

'F R.C.S. (Canada)

Certificates/Diplomas of the following approved examining Boards of USA

(I) American Board of Pediatrics

(ii) American Board of Psychiatry and Neurology

(iii) American Board of Orthopaedic Surgery

(iv) American Board of Dermatology

(v) American Board of Radiology

(vi) American Board of Urology

(vii) American Board of Obstetrics and Gynaecology

(viii) American Board of Internal Medicine

(ix) American Board of Pathology

(x) American Board of Ophthalmology

(xi) American Board of Otolaryngology

(xii) American Board of Surgery

(xiii) American Board of Anaesthesiology

(xiv) American Board of Plastic Surgery

(xv) American Board of Neurological Surgery

(xvi) American Board of Physical Medicine and Rehabilitation

(xvii) American Board of Preventive Medicine

(xviii) Board of Thoracic Surgery (An affiliate Board of the American Board of Surgery)".

[No. V. 11015/13/73-MPT]

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1973

का. आ. 2715.—औषधि एवं प्रसाधन समग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 5 की उपधारा (1) और (2) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 26 मई, 1973 की अधिसूचना संख्या एक्स 19012/2/72 ओ. में निम्नलिखित संशोधन करती है,

"धारा 5 की उपधारा (2) के खण्ड (11) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत उल्लिखित प्रविष्टि (बाद में अधिसूचित किया जाता है) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए ,

"डा. वा. ई. पी. रूद्रप्पा,
संयुक्त निदेशक (चिकित्सा)
मैसूर सरकार, बंगलौर" ।

[सं. एक्स 19012/2/72डी]

कुमारी सती बालकृष्णा, अवर सचिव

New Delhi, the 12th September, 1973

S.O. 2715.—In pursuance of sub-sections (1) and (2) of section 5 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. X 19012/2/72-D dated the 26th May, 1973 namely :—

"Under the heading "Elected under clause (XI) of sub-section (2) of section 5, for the entry "(to be notified later)", the following entry shall be substituted, namely :—

"Doctor Y. P. Rudrappa, Joint Director (Medical), Government of Mysore, Bangalore".

[No. X. 19012/2/72-D]

KM. SATHI BALAKRISHNA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1973

का. आ. 2716.—यतः शीकाकाई पाउडर श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1971 का प्रारूप कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (2), तारीख 17 जून, 1972 के 2221-2223 पृष्ठों पर भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1428, तारीख 11 अप्रैल, 1972 के साथ प्रकाशित किया गया था जिसमें 16 जुलाई, 1972 तक उससे प्रभावित होने की संभावना वाले व्यक्तियों से आक्षेप तथा सुझाव आमंत्रित किए गए थे—

और यतः उक्त राजपत्र तारीख 17 जून, 1972 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ,

और यतः केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप तथा सुझाव प्राप्त नहीं हुये हैं ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का नाम शीकाकाई पाउडर श्रेणीकर और चिह्नन नियम, 1973 है ।

(2) ये भारत में तैयार किये गये शीकाकाई पाउडर पर लागू होंगे ।

2. **परिभाषाएं.**—इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) 'शीकाकाई पाउडर' से एकैशिया कोनसिन्ना की फलियों को पीस कर प्राप्त किया जाने वाला उत्पाद अभिप्रेत है ।

(ख) कृषि विपणन सलाहकार से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ।

(ग) 'अनुसूची' से इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

(घ) 'प्राधिकृत पैकर' से व्यक्ति या व्यक्तियों का कोई निकाय जिसे भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा श्रेणी स्तर और नियमों के अधीन विहित प्रक्रिया के अनुसार वस्तुओं का श्रेणीकरण और एगमार्क कराने के लिए प्राधिकार-प्रमाण-पत्र अनुदत्त किया गया है, अभिप्रेत है ।

3. **श्रेणी अभिधान.**—शी काकाई पाउडर की क्वालिटी उपदर्शित करने वाले श्रेणी अभिधान वे होंगे जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित है ।

4. **क्वालिटी की परिभाषा.**—विभिन्न श्रेणी अभिधानों द्वारा उपदर्शित शीकाकाई पाउडर की क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 5 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपवर्णित है।

5. **श्रेणी अभिधान चिह्नन.**—(1) पालिथिन या कागज के थैलों में पैक किये गए शीकाकाई पाउडर की दशा में श्रेणी अभिधान चिह्न एक ऐसी डिजाइन का होगा जिसमें प्राधिकार प्रमाणपत्र की संख्या, ऐगमार्क शब्द और कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित श्रेणी दी गई होगी ;

(2) जूट अथवा कपड़े के आधानों और ऐसे आधानों में जिनमें श्रेणीकृत शीकाकाई पाउडर के पालिथिन के सीलबंद थैले अथवा कागज के डिब्बे पैक किये गए हों, पैक किए गए शीकाकाई पाउडर की दशा में श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और जिसमें अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट डिजाइन के अनुरूप (ऐगमार्क शब्द के साथ भारत के मानचित्र की रूपरेखा और "Produce of India" और 'भारतीय उत्पाद' शब्दों के साथ उगते हुए सूर्य की आकृति से मिलाकर बना डिजाइन होगा ।

6. **चिह्नन की पद्धति.**—(1) श्रेणी अभिधान चिह्नन कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक आधान पात्र पर सुरक्षित रूप से चिपकाया या अंकित किया जाएगा ।

(2) श्रेणी अभिधान चिह्न के अतिरिक्त प्रत्येक आधान पात्र पर निम्नलिखित विवरण स्पष्ट एवं अमिट रूप से चिह्नित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(क) पैकिंग की तारीख, सांकेतिक या सदे अक्षरों में,

(ख) लाट संख्या, और

(ग) शुद्ध भार ।

(3) कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् प्राधिकृत पैकर किसी आधान पात्र पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से चिह्नित कर सकेगा, परन्तु यह प्राइवेट व्यापार चिह्न इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए अथवा अंकित किये श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी को निरूपित न करता हो ।

7. **पैकिंग की पद्धति.**—(1) शीकाकाई पाउडर की पैकिंग के लिए केवल मजबूत, नये, साफ और नमी रहित, पालिथिन, जूट, कपड़े या कागज के थैलों के बने आधान ही उपयोग में लाये जाएंगे और कीटबाधा या फफूंद संदूषण और अवांछनीय गंध से रहित होंगे । वे कृषिविपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से बंद और शील किए जाएंगे ।

(2) जब किसी बड़े आधान में एक से अधिक पैकेट रखे जाएं तो सभी पैकेटों पर ऐगमार्क लेबल लगा होना और बाह्य आधान पर भी ऐगमार्क लेबल लगाया जाएगा ।

8. **प्राधिकार प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें.**—साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त कृषि विपणन सलाहकार के समाधानप्रद रूप से निम्नलिखित विशेष शर्तों का भी अनुपालन प्राधिकृत पैकर द्वारा किया जाएगा ।

(1) प्राधिकृत पैकर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त समुचित रूप से प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को इन नियमों के अधीन कर्तव्य पालन के लिए आवश्यक सुविधाएं देगा ।

(2) प्राधिकृत पैकर शीकाकाई पाउडर के परीक्षण के लिए ऐसी व्यवस्थाएं करेगा जो विनिर्दिष्ट की जाए और शीकाकाई पाउडर के नमूने समय-समय पर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अधिसूचित नियंत्रण प्रयोगशाला को अग्रेषित किये जायेंगे ।

अनुसूची 1

(नियम 5 देखिये)

श्रेणी अभिधान चिह्न का डिजाइन

अनुसूची–2

(नियम 3 और 4 देखिए)

शीकाकाई पाउडर के श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

उत्पाद	नमी (प्रतिशत) अधिकतम	*कुल (प्रतिशत) अधिकतम	*अम्ल अविलेय (प्रतिशत) अधिकतम	साधारण लक्षण
1	2	3	4	5
विशेष	10	5	1	1. शीकाकाई पाउडर स्वच्छ रीठा फली (के ऐकिशया) कोशिन्ना) को पीसकर तैयार किया जाएगा और उसमें ऐसा पिसा हुआ पाउडर वजन के अनुसार 99% से कम नहीं होगा। 2 500 माइक्रोन की मान छलनी में से छाने जाने पर 1 प्रतिशत से अधिक छलनी में नहीं बचेगा। 3. शीकाकाई पाउडर गंदी, फफूंद वृद्धि, जन्तु बाधा एवं सभी प्रकार के मिलावट तत्वों से रहित होगा।

* नमी मुक्त आधार पर अभि

[फा० सं० 13–11/70सी एंड एम]

टी० डी० माखीजानी, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 26th April, 1973

S.O. 2716.—Whereas a draft of the Sheekakai Powder Grading and Marking Rules, 1971 was published, as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1973 (I of 1973), at pages 2221—2223 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 17th June, 1972 with the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, (Department of Agriculture). No. S.O. 1428 dated the 11th April, 1972, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 16th July, 1972.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 17th June, 1972;

And whereas no objection or suggestion has been received from the public by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and application.**—(1) These rules may be called the Sheekakai Powder Grading and Marking Rules, 1973.

(2) They shall apply to Sheekakai Powder prepared in India.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Sheekakai Powder" means the produce obtained by grinding pods of Acacia Concinna;

(b) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government India.

(c) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

(d) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of Authorisation by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India for getting the commodity graded and Agmarked in accordance with grade standards and procedure prescribed under the rules.

3. **Grade designations.**—Grade designations to indicate the quality of sheekakai powder shall be as set out in Column 1 of Schedule I.

4. **Definition of quality.**—The quality of sheekakai powder indicated by the respective grade designations shall be as set out against each grade designation in column 2 to 5 of Schedule I.

5. **Grade designation marks.**—(1) The grade designation marks in the case of sheekakai powder packed in polythene or papers bags shall consist of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word 'Agmark' and the grade approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) The grade designation mark in case of sheekakai powder packed in containers of jute or cloth as also in containers in which sealed polythene bags or paper cortons of graded sheekakai powder are packed, shall consist of a label, specifying the grade designation and bearing the design (consisting of an outline map of India with the word 'Agmark' and the figure of rising sun, with the words 'Produce of India' and "भारतीय उत्पादन" resembling the one as set out in Schedule II.

6. **Method of Marking.**—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container, namely:—

(a) Date of packing in code or plain letters.

(b) Lot number, and

(c) Net weight.

(3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container, in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade different from that indicated by the grade designation mark affixed to or printed on the container in accordance with these rules.

7. **Method of packing.**—(1) Only sound, new, clean and dry containers, made of Polythene, jute, cloth or paper bags shall be used for packing sheekakai powder and they shall be free from insect infestation or fungus contamination and free from undesirable smell and these shall be closed and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) When more than one packet is put in a large container all the packets shall bear Agmark labels and outer container shall also bear Agmark Label.

8. **Special condition of Certificate of Authorisation.**—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following special conditions shall also be observed by the authorised packers to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser.

(1) An authorised packer shall provide such facilities as may be necessary to the Inspecting Officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf to discharge their duties under these rules.

(2) An authorised packer shall make such arrangements for testing Sheekakai Powder as may be specified and samples of Sheekakai powder shall be forwarded to such control laboratory as may be notified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE II

(See rule 5)

Design of grade designation mark.

SCHEDULE 1

(See rules 3 and 4)

Grade designation and definition of quality of Sheekakai Powder

Product	Moisture (per cent) maximum	Total ash* (per cent) maximum	Acid insoluble ash* (per cent) maximum	General characteristics
1	2	3	4	5
Special	10	5	1	(1) The sheekakai powder shall be prepared by grinding clean soapnut pods (Acacia Concinna) and shall contain not less than 99.0% by weight of such ground powder.
General	15	6	2	(2) When passed through a standard sieve of 500 Micron not more than 1.0% shall be retained on the sieve.
				(3) The sheekakai powder shall be free from dirt, mould growth, insect infestation and all types of adulterants.

*Expressed on moisture free basis.

[F. No. 13-11/70-C & M]

T. D. MAKHIJANI, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1973

का. आ. 2717.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पीलीभीत टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-10-1973 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है ।

[सं. 5-2/73-पी. एच. बी.]

पी. सी. गुप्ता, सहायक महानिदेशक (पी. एच. बी.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 13th September, 1973

S.O. 2717.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-10-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in PILIBHIT Telephone Exchange, U.P. Circle.

[No. 5-2/73-PHB]

P. C. GUPTA, Asstt. Director General (PHB).

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1973

का० आ० 2718.—लोक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के निर्माण आवास और पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3016, तारीख 17 दिसम्बर, 1960 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की निम्न सारणी में, स्तम्भ 1 में क्रम सं० 5 के पश्चात् क्रमशः स्तम्भ 1 और 2 में निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जायगी, अर्थात् :—

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	लोक परिसरों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमायें
6 सहायक सम्पदा प्रबन्धक, सम्पदा निदेशालय, नागपुर।	नागपुर में केन्द्रीय सरकार के अथवा उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये या अधिग्रहण किये गये परिसर, जो उसके प्रशासनिक नियंत्रण में हों।

[फा० सं० 21012(10)/73-नीति/3]

आर० बी० सक्सेना, उप-भसम्पदा निदेशक तथा अवर सचिव,

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 11th September, 1973

S.O. 2718.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Works, Housing and Supply's No. S.O. 3016 dated the 17th December, 1960, namely:—

In the Table below the said notification, after serial No. 5, in column 1, the following entries shall be inserted in columns 1 and 2 respectively, namely:—

TABLE

Designation of the officer (1)	Categories of public premises and local limits of jurisdiction (2)
6. Assistant Estate Manager, Directorate of Estates, Nagpur.	Premises belonging to, or taken on lease or requisitioned by, or on behalf of the Central Government in Nagpur which are under his administrative control.

[F. No. 21012(10)/73-Pol.III]

R. B. SAXENA,

Deputy Director of Estates and ex-Officio Under Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1973

का. आ. 2719.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री उमाशंकर जयसवाल की चोटा अर्जेंतु बॉक्साइट खान, डाकघर अड़ेर (गुलमा) जिला रांची के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या (1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या श्री उमाशंकर जयसवाल की चोटा अर्जेंतु बॉक्साइट खान, डाकघर अड़ेर (गुमला), जिला रांची द्वारा नियोजित

कर्मकारों की, उच्चतर मजदूरी-दरों, महंगाई भत्ते की मंजूरी, बीमारी छुट्टी, आकस्मिक छुट्टी, सवेतन अवकाश दिन, 1972 में प्रारम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए वार्षिक बोनस, चिकित्सा सुविधाओं और सुरक्षात्मक जूतों की मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो कर्मकारों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए मजदूरी की दरें और महंगाई भत्ते तथा अन्य लाभ व सुविधायें क्या होनी चाहिएं और किस तारीख से ।

[संख्या एल-29011/43/73-एल. आर.-4]

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

ORDER

New Delhi, the 7th August, 1973

S.O. 2719.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Chota Ajaitu Bauxite Mine of Sri Umashanker Jaiswal, Post Office Ader (Gumla) District Ranchi and their workmen in respect of the matters specified n the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. (1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the demand of the workmen employed at Chota Ajaitu Bauxite Mine of Shri Umashanker Jaiswal, Post Office Ader (Gumla) District Ranchi for higher rates of wages, grant of dearness allowances, sick leave, casual leave, paid holidays, annual bonus for the accounting year commencing in 1972, medical facilities and protective footwears is justified? If so, what should be the rates of wages and dearness allowance for the various categories of workmen and other benefits and facilities demanded and from what date?

[No. L-29011/43/73-LRIV]

आदेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1973

का. आ. 2720.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री जगदीश चन्द पालीवाल, खान स्वामी, मैसन्री पत्थर-खान आनंदपुरा, तहसील लदपुरा, जिला कोटा (राजस्थान) के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या श्री जगदीश चन्द पालीवाल खान स्वामी के आनंदपुरा मैसन्री पत्थर खान, तहसील लदपुरा, जिला कोटा, राजस्थान में नियोजित कर्मकार किन्हीं सवेतन राष्ट्रीय और त्यौहारी अवकाश दिनों की मंजूरी के लिए हकदार हैं ? यदि हां, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[संख्या एल-29011(41)/73-एल. आर.-4]

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1973

S.O. 2720.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Shri Jagdish Chand Paliwal, Mine Owner, Masonry Stone Mine, Anandpura, Tehsil Ladupura, District Kota (Rajasthan) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the workmen employed in Anandpura Masonry Stone Mine of Shri Jagdish Chand Paliwal, Mine Owner, Tehsil Ladupura, District Kota Rajasthan are entitled for grant of any paid National and Festival Holidays? If so, to what relief are the workmen entitled?

[No. L-29011(41)/73-LR. IV]

आदेश

का. आ. 2721.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री देवी दास वारागी खान स्वामी गांव और डाकघर दाबी, जिला बूंदी (राजस्थान) के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या श्री देवी दास वारागी, खान स्वामी, डाकघर और गांव दाबी, जिला बूंदी (राजस्थान) की बुधपुरा रेत पत्थर खान में नियोजित कर्मकार किन्हीं सवेतन राष्ट्रीय और

त्यौहारी अवकाश दिनों की मंजूरी के लिए हकदार हैं ? यदि हां, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[संख्या एल-29011(42)/73-एल. आर.-4]

एस. एस. सहस्त्रनामन, अवर सचिव

ORDER

S.O. 2721.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Shri Devi Das Varagi, Mine Owner, village and post office Dabi, District Bundi (Rajasthan) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the workmen employed in the Budhpura Sand Stone Mine of Shri Devi Das Varagi, Mine Owner, Post Office and village Dabi, District Bundi (Rajasthan) are entitled for grant of any paid National and Festival Holidays? If so, to what relief are the workmen entitled?

[No. L-29011(42)/73-LR. IV]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1973

का. आ. 2722.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) तारीख 23 अक्तूबर, 1971 में पृष्ठ 5584 और 5585 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3942, तारीख 16 अक्तूबर, 1971 में दसवीं पंक्ति में "थालावकाद" के स्थान पर "थाझाक्काद" पढ़ें।

[सं. 604 (13)/70-एच आई]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th September, 1973

S.O. 2722.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3942(dated the 16th October, 1971 published in the Gazette of India, Part II, sub-section (ii) of section 3, dated the 23rd October, 1971 at page 5584 in line 10, **for** 'Thalakkad' **read** 'Thazhekad'.

[No. 604(13)/70-HI]

का. आ 2723.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल पेंट वर्क्स, गोपालपुर, कालीपार्क 24 परगना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की मई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस.-35017(22)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 2723.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. National Paint Works, Gopalpur, Kalipark, 24 Parganas have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1972.

[No. S. 35017(22)/73-PF. II(i)]

का. आ. 2724.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बिहारी चित्र मंदिर, बिलासपुर, मध्यप्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस.-35019(67)/73-पी. एफ.2(1)]

S.O. 2724.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bihari Chitra Mandir, Bilaspur, Madhya Pradesh have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1973.

[No. S. 35019(67)/73-PF. II(i)]

का. आ. 2725.—कर्मचारी भविष्य निधि कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स बिहारी चित्र मंदिर, बिलासपुर, मध्यप्रदेश नामक स्थापन को 1 जुलाई, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(67)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 2725.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st July, 1973, the establishment, known as Messrs Bihari Chitra Mandir, Bilaspur, M.P. for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(67)/73-PF. II(ii)]

का. आ. 2726.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सेनको ज्वेलरी मार्ट, 171/2ए रास बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता-19 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35017(23)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 2726.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Senco Jewellery Mart, 171/2A Rash Behari Avenue, Calcutta-19 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1972.

[No. S. 35017(23)/73-PF. II]

का. आ. 2727.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेपाल शंकर एण्ड कम्पनी, 85, रासबिहारी एवेन्यू, कलकत्ता-26, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 की मई के पंद्रहवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35017(24)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 2727.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nepal Sankar and Company, 85, Rash Behari Avenue, Calcutta-26 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the fifteenth day of May, 1972.

[No. S. 35017(24)/73-PF. II]

का. आ. 2728.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स छबड़िया इण्डस्ट्रीज, महीम इण्डस्ट्रियल एस्टेट प्लाट नं. 571, टी. पी. एस 3, यूनिट नं. 108, पहली मंजिल, मोरी रोड, महीम, बम्बई-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के सितम्बर के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35018(49)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 2728.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chhabria Industries, Mahim Industrial Estate Plot No. 571, T. P. S. III Unit No. 108, Ist Floor, Mori Road, Mahim, Bombay-16 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1972.

[No. S. 35018(49)/73-PF. II]

का. आ. 2729.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डेलटन सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, 3457 दिल्ली गेट, दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(64)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 2729.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Delton Sales Private Limited, 3457, Delhi Gate, Delhi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the Said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June 1972.

[No. S. 35019/64/73-PF. II (i)]

का. आ. 2730.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स डेलटन सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, 3457, दिल्ली गेट, दिल्ली नामक स्थापन को 1 जून 1972 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(64)/73-पी. एफ. 2(2).]

S.O. 2730.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st day of June, 1972, the establishment known as Messrs Delton Sales Private Limited, 3457 Delhi Gate, Delhi for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/64/73-PF. II (ii)]

का. आ. 2731.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सेंको ज्वैलरी मार्ट, 132 विधान सरानी कलकत्ता-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(15)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 2731.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the mapority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Senco Jewellery Mart, 132 Bidhan Sarani Calcutta-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1972.

[No. S-35017/15/73-PF. II]

का. आ. 2732.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत ग्रींडर्ज, 26/1, नीलगंज रोड, बलधारिया, कलकत्ता-56 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(21)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 2732.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Grinders, 26/1, Nilgunj Road, Belgharia, Calcutta-56 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S-35017(21)/73-PF.II]

का. आ. 2733.—यतः केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात 1 मई, 1972 से नेशनल पेंट वर्क्स, गोपालपुर, कालीपार्क, 24 परगना नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35017(22)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 2733.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st May, 1972, the establishment known as Messrs National Paint works, Gopalpur, Kalipark, 24 Paraganas for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(22)/73-PF. II (ii)]

का. आ. 2734.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्पीड ट्रांसपोर्ट कंपनी, 2 कैमक स्ट्रीट, कलकत्ता-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(17)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 2734.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in realtion to the establishment known as Messrs Speed Transport Company, 2 Camac Strees, calcutta-16 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1972.

[No. S-35017(17)/73-PF. II(i)]

का. आ. 2735.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स स्पीड ट्रांसपोर्ट कम्पनी, 2, कैमक स्ट्रीट, कलकत्ता-16 नामक स्थापन को 1 अप्रैल, 1972 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35017(17)/73-पी. एफ 2(2)]

S.O. 2735.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st April, 1972, the establishment known as Messrs Speed Transport Company, 2 Camac Street, Calcutta-16 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35017/17/73-PF. II (ii).]

का. आ. 2736.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सेल्स एण्ड डैमान्सट्रेशन्स् प्राइवेट लिमिटेड, 26/2, स्पेंसर रोड, बंगलौर-5 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के सितम्बर के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(63)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 2736.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sales and Demonstrations Private Limited 26/2, Spencer Road, Bangalore-5 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1971.

[No. S-35019/31/73 PF. II(i).]

का. आ. 2737.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 सितम्बर, 1971 से मैसर्स सेल्स एण्ड डैमान्सट्रेशनस् प्राइवेट लिमिटेड, 26/2, स्पेंसर रोड, बंगलौर-5 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(31)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 2737.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1971 the establishment known as Messrs Sales and Demonstrations Private Limited, 26/2, Spencer Road, Bangalore-5 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/31/73-PF. II(ii)]

का. आ. 2738.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि हैलेबुरिया टी एस्टेट्स लिमिटेड, काइथाराम बिल्डिंग कोट्टायम-1, जिसके अन्तर्गत उसकी शाखा विलिंग्डन आईलैंड, कोचीन-3 भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्तूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(63)/73-पी. एफ. 2(1).]

S.O. 2738.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Haileyburia Tea Estates Limited, Kytharam Building Kottayam-1 including its branch at Willingdon Island, Cochin-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1972.

[No. S. 35019(63)/73-PF. II (i).]

का. आ. 2739.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स दि हैलेबुरिया टी एस्टेट्स लिमिटेड, काइथाराम बिल्डिंग कोट्टायम-1 जिसके अन्तर्गत उसकी शाखा विलिंग्डन आईलैंड, कोचीन-3 भी है नामक स्थापन को 1 अक्तूबर 1972 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(63)/73-पी. एफ. 2(2).]

S.O. 2739.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st October, 1972 the establishment known as Messrs The Haileyburia Tea Estates Limited, Kytharam Building Kottayam-1 including its branch at Willingdon Island, Cochin-3 for the purposes of the said proviso.

[No S-35019/63/73-PF. II(ii)]

का. आ. 2740.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अल्सटर ट्रेड सेण्टर, 14/1-बी, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की मार्च के इक्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(26)/73-पी. एफ. 2.]

टी. के. रामचन्द्रन, अवर सचिव

S.O. 2740.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Alstar Trade Centre, 14/1-B, Ezra Street, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Famly Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1972.

[No. S. 35017(26)/73-PF. II]

T. K. RAMACHANDRAN, Under Secy.

New Delhi, the 12th September, 1973

S.O. 2741.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sundra Bansjora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 3rd September, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 33 of 1972

Parties :

Employers in relation to Sendra Bansjora Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen.

Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.),—Presiding Officer.

Appearances :

For the Bharat Coking Coal Ltd.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate with Sri R. V. K. Rao.

For the Workmen—Shri S. Das Gupta, Advocate.

State: Bihar **Industry:** Coal.

Dhanbad, dated the 28th August, 1973

AWARD

The present reference arises out of Order No. L/2012/45/72-LRII dated New Delhi, the 21st September, 1972 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the action of the management of Sendra Bansjora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad in stopping Shri Rameshwar Thakur, Night Watchman from work with effect from the 8th November, 1971, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement, dated 28th August, 1973 has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the Memorandum of Settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D. D. SETH, Presiding Officer.

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

(NO. 1) AT DHANBAD

In the matter of :

Reference No. 33 of 1972

Parties :

Employers in relation to Sendra-Bansjora Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited,

AND

Their Workmen

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Without prejudice to the respective contentions, both the parties in the present proceedings have amicably settled the dispute involved in the present Reference on the terms hereinafter stated:

(1) That Shri Rameshwar Thakur, the workman concerned in the present Reference shall be taken in employment as General Mazdoor by the management of Sendra-Bansjora Colliery with effect from 10th September, 1973 without any back-wages.

(2) That in the event of the failure of the workman to report for work within a fortnight from 10-9-1973, the workman concerned shall have no right for employment etc., under this Agreement.

(3) That the above terms finally resolve the dispute between the parties and, therefore, there is no subsisting dispute for adjudication in the present Reference.

(4) That Shri S. Das Gupta of Colliery Mazdoor Sangh, the representative of the workman concerned shall be paid Rs. 100/- (Rupees Hundred only) as costs of the proceedings.

It is, therefore, prayed that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this settlement and to give its Award in terms thereof.

For Bharat Coking Coal Ltd. For Workman

Signature Signature

Dated 28-8-1973.

[No. L-2012/45/72-LRII]

S.O. 2742.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 8 of 1972

Parties :

Employers in relation to the management of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, P. O. Nirsachatti, District Dhanbad

AND

Their Workmen.

Present:

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.)—Presiding Officer.

Appearances :

For the Custodian General—Shri B. Dasundhi, Sub-Area Manager, with Shri S. M. Ashraf, Group Personnel Officer.

For the management—Shri D. Narsingh, Advocate.

For the Workmen—Shri R. N. Dubey, representative of the Colliery Mazdoor Sangh, with the concerned workman, Shri Lallu Singh.

State : Bihar. **Industry** : Coal.

Dhanbad, dated, the 29th August, 1973.

AWARD

The present reference arises out of Order No. L/2012/179/71-LR-II dated New Delhi, the 6th March, 1972 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the demand of the Colliery Mazdoor Sangh that Shri Lallu Singh, Assistant Superviser (C.R.O.), Badjna Miners Hostel of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad, should be allowed by the management to resume his duty immediately with full back wages from the 27th October, 1970, is justified? If so, to what relief is the workman entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement, dated the 29th August, 1973 has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the Memorandum of Settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D. D. SETH, Presiding Officer.

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL DHANBAD

Reference No. 8 of 1972

PARTING

Employers in relation to Badjna Colliery P.O. Nirshachatti, District Dhanbad,

AND

Their workmen.

JOINT PETITION OF COMPROMISE

Both the parties aforesaid beg to submit as under:—

(1) That the above matter is pending before the Hon'ble Officer for adjudication.

(2) That the matter has not yet been heard by the Hon'ble Presiding Officer and the next date has been fixed on 7-6-73.

(3) That without prejudice to the respective stands taken by the respective parties in the written statements, both the parties have come to an amicable settlement, out of court, on the following terms :—

(a) That Shri Lallu Singh, the workman herein concerned will be allowed to resume work as Clerk at the Colliery concerned within a fortnight from the date this petition is submitted before the Hon'ble Presiding Officer when he reports to the Manager of the Colliery.

(b) That the workman concerned will be placed in clerical grade II on basic salary of Rs. 205/- as per recommendations of the Central Wage Board for the coal Mining Industry with effect from the date he reports for work as stated in the previous para.

(c) That the concerned workman shall not claim any wages for the period of his unemployment or back wages whatsoever and that the period of his unemployment from 20th October, 1970 till the date of his resumption of duty in terms of para (a) above shall be treated as leave without pay.

(d) That this agreement resolved the aforesaid dispute finally and that there is no dispute subsisting between the parties any longer.

(4) That the Hon'ble presiding Officer may be pleased to render a No Dispute Award in the aforesaid matter.

Signature of Lallu Singh,

The workman concerned.

The Sub Area Manager, Mugma West

For the Management.

S. M. ASHRAF, Group Personnel Officer

D. NARSINGH, Advocate,

Advocate for Management.

[No. L-2012/179/71-LRII]

S.O. 2743.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Assam Railways and Trading Company Limited, Margherita, Assam, and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 154 of 1966

Parties:

Employers in relation to the Assam Railways and Trading Co. Ltd., Margherita, Assam.

AND

Their Workmen.

Present:

Sri S. N. Bagchi—Presiding Officer.

Appearance:

On behalf of the Employers—Shri J. K. Ghosh. Advocate.

On behalf of the Workmen—Shri S. Das Gupta, Secretary, Indian National Mine Workers Federation.

State: Assam **Industry:** Coal Mine.

AWARD

By Order No. 1/14/66-LR-II-I, dated 23rd December, 1966, the Government of India, in the Ministry of Labour Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, referred the following industrial dispute existing between the employers in relation to the Assam Railways and Trading Co. Ltd., Margherita Assam and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:—

"Whether the management of the Assam Railways and Trading Company Ltd., was justified in stopping the concessional supply of food grains to their workers with effect from the 19th December, 1966 which benefit was enjoyed by them in terms of the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad, in Reference No. 44 of 1960, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2955 dated the 7th December, 1961? If not, to what relief are the workmen entitled ?"

2. This reference case had a protracted career. It came to the file of this tribunal on 29-12-1966. There is an order of the Tribunal relating to representation of the parties involved in the reference case dated 19-6-1967. Against that order the then management went before the High Court at Calcutta in its Writ jurisdiction and the matter was thus pending before the High Court. After the disposal of the writ petition the Tribunal took up the case on 29-8-1972. In the meantime the parties had filed a memorandum of compromise on 11-7-1972 before the record of the reference case could be obtained from the High Court at Calcutta. There were certain legal difficulties in recording the compromise for, there had been no representation according to law in the proceedings of the reference case of the workmen involved in the case. That irregularity, however, had to be removed by the workmen by filling a letter of authority lawfully made and subscribed by them in favour of an official of the union that represented the workmen involved in this case being members of such union. After the representation was regularised the tribunal took up the matter for disposal.

3. The Custodian of the colliery appeared on 7-5-1973. So, the Union of India, Ministry of Mines and Steels represented by the Secretary, Department of Mines, was made a party to this reference with effect from 7-5-1973. The workmen through Sri S. Das Gupta, Secretary, Indian National Mine Workers' Federation appeared on 9-7-1973 and filed authority.

4. Both the parties now adopt the momorandum of compromise filed on 11-7-1972. The workmen involved in this dispute appearing through Sri S. Das Gupta having had adopted the compromise, the petition recording the compromise has been signed by Sri Das Gupta. The Custodian in whom the colliery concerned has now vested by law is appearing through Sri J. K. Ghosh, Advocate. The learned advocate has signed the memorandum of compromise for the present employer, the Custodian as well as the past employer. The memorandum of compromise that was filed on 11-7-1972 had, however, been signed on behalf of the past owner management by Sri L. K. Gopalakrishnan, Actg. General Manager. The past and the present management-cum-owner of the colliery concerned and the workmen have adopted the memorandum of compromise. For the workmen a prayer has been made to record the compromise and to render an award thereon. The learned Advocate appearing for the past management and the Custodian management agrees to the compromise being recorded as in the memorandum thereof.

5 On going through the compromise petition, I find the terms are fair, legal and beneficial to the interest of both the parties. Accordingly, the compromise is recorded and and an award in terms thereof be and hereby rendered. The memorandum of compromise shall form part of the award.

This is my award.

Dated, August 23, 1973.

S. N. BAGCHI, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 154 of 1966

Parties :

Employers in relation to the Management of the Assam Railways and Trading Company Limited (hereinafter called the Management),

AND

Their workmen represented by the Assam Colliery Mazdoor Congress-Baragolai and The Assam Coal Mine Workers' Union—Ledo (hereinafter called—the Unions).

Short Recital of the Case :

The Company had a practice of supplying foodstuffs at a concessional rate to the workers. The Company abolished this concessional supply with effect from 19-12-1966 following the heavy losses. The Company replaced this abolition by a cash compensation of 67 paise per shift to all workers as compensation as laid down under the Merchant Award. The Union however raised a dispute on this claiming that the compensation is inadequate and the matter is referred and covered by Reference No. 154 of 1966 vide Government Order No. 1/14/66-I, dated 23-12-1966.

The above named parties beg to submit as under:—

(1) In appreciation of the delay that has already taken place in the disposal of the reference regarding justifiability of the demands of the workmen for payment of cash compensation at a higher rate than what is being paid at present in lieu of the supply of foodstuffs at a concessional rate and in the interest of industrial peace and as a gesture of goodwill, the management and the Unions agree that all workers on the rolls of the Company's collieries from 19-12-1966 will be paid an additional amount of 35 paise per working day as cash compensation in addition to the 0.67 paise already paid in lieu of concessional supply of foodgrains for the period 19-12-1966 to 8-7-1972 in four equal annual instalments (the first 50 per cent of the instalment being payable before Pujas and the balance 50 per cent of the first instalment before 31st March 1973).

(2) The Management agrees to pay and the Unions agree to accept from 9-7-1972 to all the entitled workers total cash compensation at the rate of Rs. 1.02 P. per day instead of 0.67 paise per day till the recommendations of the Wage Board are implemented.

(3) Save and except as in (1) and (2) above, there is no further claim.

PRAYER

The parties therefore pray that an award in terms of the above settlement may kindly be passed.

Sd/- L. K. Gopalakrishnan,
Actg. General Manager.
Sd/- Bishnu P. Hazarika
11-2-1972
General Secretary Assam Coal Mine Workers Union Ledo.

Sd/- Lilachar Gogoi 11-7-1972
President, Assam Colliery Mazdoor Congress, Baragolai.
Sd/- Bhadreswar Konger,
General Secretary, A.C.M.C. Baragolai.
Sd/- Barin Chowdhury,
President, Assam Coal Mine Workers Union, Ledo.

Witness :
Sd/- M. K. Gohain

Witness :
Sd/- Kartick Borthakur

For the Workmen :
S. DASGUPTA, Secy.,
Indian National Mine Workers' Federation
23-8-73.

For the Employers :
J. K. GHOSH, Advocate.
23-8-73

Memorandum of Settlement

Joint Agreement arrived at between the Assam Railways and Trading Company Limited (hereinafter called the Management) and the Assam Colliery Mazdoor Congress, Baragolai and The Assam Coal Mine Workers Union, Ledo (hereinafter called the Union) on the payment of compensation for abolition of food concession at the collieries.

Meeting held on the 11th of July, 1972 at the office of the General Manager, The Assam Railways & Trading Co. Ltd.

For the Management :

(1) Mr. L. K. Gopalakrishnan—Actg. General Manager A.R. & T. Co. Ltd.

(2) Mr. C. H. Lawrence—Chief Mining Engineer, A.R. & T. Co. Ltd.

(3) Mr. D. H. Goswami—Assistant to General Manager (Personnel).

For the Unions :

(1) Shri Liladhar Gogoi—President, Assam Colliery Mazdoor Congress, Baragolai.

(2) Shri Barin Chowdhury—President, Assam Coal Mine Workers Union, Ledo.

(3) Shri Bhadreswar Konger—General Secretary, Assam Colliery Mazdoor Congress, Baragolai.

(4) Shri Bishnu Prasad Hazarika—General Secretary, Assam Coal Mine Workers Union, Ledo.

(1) At the suggestion of the Regional Labour Commissioner (Central) Calcutta, and in appreciation of the delay that has already taken place in the disposal of the reference regarding justifiability of the demands of the workmen for payment of cash compensation at a higher rate than what is being paid at present in lieu of supply of foodstuffs at a concessional rate and in the interest of industrial peace and as a gesture of goodwill, the Management and the Unions agree that all workmen on the rolls of the Company's collieries from 19-12-1966 will be paid an additional amount of .35 paise per working day as cash compensation in addition to the .67 paise already paid in lieu of concessional supply of foodgrains for the period 19-12-1966 to 8-7-1972 in four equal annual instalments (the first 50 per cent instalment being payable before Puja and the balance 50 per cent of the first instalment before 31st March 1972. Subsequent instalments would be paid before 31st of March every year.

(2) The Management agree to pay and the Unions agree to accept from 9-7-1972 to all the entitled workers total cash compensation at the rate of Rs. 1.02 per day instead of .67 paise per day till the recommendations of the Wage Board are implemented.

(3) The workmen's Unions, the Company and the Labour Ministry, Government of India will continue to make efforts to ensure early implementation of the Government's decision on the Wage Board—Recommendations. When this is implemented the wage scales will absorb the cash compensation payable in terms of this agreement.

(4) The parties also agree that the dispute relating to Ref. No. 15 of 1966 will be finally disposed off in terms of the above compromise settlement.

(5) The Management is very perturbed at the recent drop in offtake of coal by the Railways compared to their agreed programme and would request the Unions for their full support in restoring this to the agreed level of four lakhs tonnes per annum.

(6) In the larger interest of the industrial peace, harmony and continuous productivity, the parties hereto agree to extend full co-operation to the Management.

For Management :

Sd/- L. K. Gopalakrishnan, Actg. General Manager, A.R. & T. Co. Ltd., Margherita.

Sd/- C. H. Lawrence, Chief Mining Engineer, A.R. & T. Co. Ltd.

Sd/- D. H. Goswami, Asstt. to General Manager, (Personnel), A.R. & T. Co. Ltd.

For Union :

Sd/- Liladhar Gogoi, President, Assam Colliery Mazdoor Congress, Baragolai.

Sd/- Barin Chowdhury, President, Assam Coal Mine Workers Union Ledo.

Sd/- Bhadreswar Konger, Assam Colliery Mazdoor Congress, Baragolai.

Sd/- Bishnu Prosad Hazarika General Secretary, Assam Coal Mine Workers Union, Ledo.

Witness :

1. Sd/- Chandra Bahadur Chetry, M.L.A.
2. Sd/- B. K. Goswami, Labour Enforcement Officer (Central), Government of India, Dibrugarh.

For the Employers :
J. N. GHOSH, Advocate
23-8-1973

For the Workmen :
S. DAS GUPTA, Secretary, Indian National Mine Workers' Federation
23-8-1973

[No. 1/14/66-LRII]

New Delhi, the 13th September, 1973

S.O. 2744.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of North Jhagrakhand Colliery of Messrs Jhagrakhand Collieries (Private) Limited, Post Office Jhagrakhand Colliery, District Surguja and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th September, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(26) of 1972

Jabalpur, the 7th August, 1973

Present :

Mr. Justice S. N. Katju, Presiding Officer.

Parties :

Employers in relation to the management of North Jhagrakhand Colliery of Messrs Jhagrakhand Collieries (Private) Limited, Post Office Jhagrakhand Colliery, District Surguja and their workmen

represented through the Association of India Mine Surveyors, P. O. and Distt.—Dhanbad (Bihar).

Appearances :

For Employers—Shri P. S. Nair, Advocate.

For Workmen—Shri Gulab Gupta, Advocate.

Industry : Coal Mines **District :** Surguja (M.P.).

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called the Act).

The question referred to this Tribunal is:—

"Whether the management of North Jhagrakhand Colliery of Messrs Jhagrakhand Collieries (Private) Limted, Post Office Jhagrakhand Colliery, District Surguja (Madhya Pradesh), was justified in terminating the services of Shri N. M. Kar, Surveyor, with effect from the 10th November, 1970? If not, to what relief is the workman entitled?"

Shri N. M. Kar was appointed as Surveyor in the North Jhagrakhand Colliery (hereinafter called the management) on 2-8-1945 and he worked in that capacity for nearly 25 years. It was alleged on behalf of the workman that he was transferred from the North Jhagrakhand Colliery to West Jhagrakhand Colliery in June 1970 when he was about to retire and when he was on medical leave. He made an appeal to the management for reconsideration of its aforesaid order and requested that he be allowed to continue to work in the North Jhagrakhand Colliery but the management did not accede to his request and ultimately his services were terminated by the management's letter dated 10-11-1970 when he was still on medical leave. It was further contended that the management had terminated the services of Shri Kar at the fag end of his service only with a view to avoid the payment of benefits of voluntary retirement which he would have otherwise got. It was contended on behalf of the management that Shri Kar's service, under the circumstances, was properly terminated. His Certificate for Surveyor lost its validity on 6-11-1970 and the management terminated his service on 10-11-1970. It was further contended by the management that the workman was liable to be transferred from one department to another and West Jhagrakhand Colliery is situated at a distance of only 2 1/2 miles from the North Jhagrakhand Colliery. There was no intention on the part of the management to harrass Shri Kar and the Association's allegations that Shri Kar was transferred with the intention of depriving him of his legitimate dues was incorrect and unfounded. It was further contended that there was no provision of retirement benefits either statutorily or voluntarily at the Colliery. Since Shri Kar had no valid Certificate the termination of his service was justified under the provisions of Coal Mines Regulations. The conciliation proceedings ended in failure before the Regional Labour Commissioner (Central) Jabalpur and thereafter the dispute was referred to this Tribunal.

It was contended, *inter alia*, on behalf of the management that Shri Kar was not a workman within the meaning of Section 2(s) of the I.D. Act. Shri Kar was a Surveyor "holding a position Supervisory cadre" and was drawing a basic salary of Rs. 705 per month and his total emoluments including other allowances were about 850 p.m. and consequently there could be no industrial dispute between the parties within the meaning of the Act.

It was denied on behalf of the workman that he was drawing total wages amounting to Rs. 850. It was, further contended that the workman was not employed in a supervisory capacity. He was employed in a technical capacity and his duty was essentially of a technical and manual nature and no part of it was supervisory. The question whether a Surveyor was a "workman" within the meaning of Section 2(s) of the Act was considered by the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in Case No. 47 of 1971 between the management of Raniganj Collieries and their workmen (published in the Government of India Gazette, Part II dated May 13, 1972). The learned Presiding Officer of the Tribunal after dealing with the question in a very elaborate and well considered Award came to the conclusion that 'Surveyor" was not a "workman" within the meaning of Section 2(s) of the Act. Rule 46 of the Mines Rules says:—

"Person holding position of supervision or Management ....for the purpose of Section 37, the following shall be deemed to be person holding position of supervision or Management or employed in a confidential capacity: (e) Surveyor/Asstt. Surveyor.

Under Regulation 2(20) of the Coal Mines Regulations, a surveyor is included within the category of "official". An official is defined under the said Regulation as a "a person appointed in writing by the Owner, Agent or the Manager performing duties of supervision in a mine or part thereof and includes.....a Surveyor".

In the Mines Rules read with Section 37 of the Mines Act, a Surveyor shall be deemed to be person holding position of supervision".

The aforesaid rules and the provisions of Section 37 of the Mines Act were fully considered in the aforesaid award of the Calcutta Tribunal. I fully agree with the reasons of the learned Presiding Officer in coming to the conclusion that a Surveyor is not a "workman" within the meaning of the expression as defined in Section 2(s) of the Act. In this view of the matter, since Shri Kar was not a workman there could be no industrial dispute between him and the management. I consequently hold that the reference to this Tribunal is misconceived and is contrary to law.

Even though it is not necessary, in view of my finding that the reference is not maintainable, I may briefly deal with merits of the case. The parties did not lead any oral evidence. The management filed some documents on 18-12-1972. These documents were not specifically denied on behalf of the workman. It was stated by the management in its written statement that Shri Kar informed the management by his application dated 12-7-1969 that as per Coal Mines Regulations he had attained the age of superannuation and further added that his Surveyor's Certificate also had lost its validity. He prayed that his son Shri S. Kar who also possesed a Surveyor's Certificate be given the post of Surveyor in North Jhagrakhand Colliery. The management acceding to the request of Shri Kar and appointed his son as Surveyor by its letter dated 19-8-1969. Shri Kar's services were terminated by the management's letter dated 23-8-1969. He was, however, allowed to continue in employment till the date of joining of his son but the latter eventually did not join the service. Meanwhile Shri Kar informed the managemen by his letter dated 19-9-1969 that the Director General of Mines Safety, Dhanbad had allowed him to appear for medical examination on 4-10-1969 at Dhanbad. On 28-11-1969 Shri Kar submitted a letter stating that he had received a certificate of fitness dated 6-11-1969 from the Director General of Mines Safety. On the basis of the aforesaid intimation by Shri Kar the management cancelled its earlier order terminating Shri Kar's service and he was allowed to work as a Surveyor. He, however, did not submit the Certificate of fitness to the management. Thereafter Shri Kar was transferred from North Jhagrakhand Colliery to West Jhagrakhand Colliery as mentioned above. Shri Kar absented himself from work from 23-6-1970 on his own accord and left the Colliery on 12-8-1970 on the plea that his health was deteriorating and he wanted to consult the specialist. Thereafter nothing was heard from him. It was contended on behalf of the management that in view of his long absence and the further fact that his Certificate of fitness had lost its validity on 6-11-1970 the management had no other alternative but to terminate the services of Shri Kar. The aforesaid allegations made by the management were not fully and specifically denied on behalf of the workman in his rejoinder. All that was stated was:—

"It is admitted that Shri Kar was employed as a Surveyor and worked from 1945. It is also admitted that he acquired a Surveyor's Certificate as required by law. It is, however, denied that his services were terminated on 23-8-1969. In fact Shri Kar had continued in his employment till 23-6-1970. It is also admitted that Shri Kar was transferred to West Jhagrakhand Colliery. He,

however, could not join because he had fallen sick .....Inspite of this, the management terminated the employment of Shri Kar without giving him any opportunity to join the services or to show that he was really ill. The order of termination is clearly illegal".

It was categorically stated, as mentioned above, on behalf of the management that Shri Kar had himself said in his application dated 12-7-1969 that he had attained the age of superannuation and that his Surveyor's Certificate had also lost its validity. He had prayed that his son be appointed as a Surveyor in the Colliery. His son, however, did not join the service of the Colliery. Shri Kar again wrote to the management that his Certificate of fitness had been renewed but that Certificate was not sent to the management and thereafter he continued to remain absent from his post of duty. The aforesaid allegations were not denied on behalf of the workman. I see no reason why the allegations made on behalf of the management should not be believed. There is nothing on the record to indicate that Shri Kar had sent a second Certificate of fitness to the management as was stated by him in his letter dated 6-11-1969. It has been admitted on behalf of the workman that Shri Kar was continuously absent from his post of duty ever since January 1970 and under these circumstances the management was justified in terminating his services with effect from 10-11-1970. The workmen is, therefore, not entitled to any relief on merits of the case as well.

It may further be stated that Shri Gulab Gupta who represented the workman did not appear before the Tribunal on the last date of the hearing of the case. At first it was stated by Shri R. K. Gupta who appeared for Shri Gulab Gupta that according to the information received from a third person Shri Kar was ill and therefore the case should be adjourned. When the prayer for adjournment was disallowed then an application was made praying for adjournment. On 21-6-1973, 26-7-1973 was fixed for evidence and final hearing at Jabalpur. A notice intimating the aforesaid date viz. 26-7-1973 was sent by registered post to the General Secretary, Association of India Mine Surveyors. Dhanbad which was received by the addressee on 25-6-1973. The workman's case was sponsored by the aforesaid Association and in fact Shri Gulab Gupta who represented the Association did not file any letter of authority in his favour by the Association. The Association had ample notice of the next date fixed for hearing of the case. The allegations in the aforesaid application dated 3-8-1973 that "no notice was issued by this Tribunal either to the aforesaid Union or to the workman concerned" is, to say the least wrong. It appeared to me that all that Shri Gulab Gupta, the representative of the workman, was doing was to prolong the hearing of the case. He neither appeared before this Tribunal on 26-7-1973 nor on 27-7-73 and when he anticipated that the case will be taken up on 28-7-1973 he made another effort to get the hearing adjourned. It may be that neither the Association nor the workman were interested in the case before the Tribunal.

For the reasons mentioned I hold that the reference to this Tribunal is not maintainable and further that the management was justified in terminating the services of Shri N. M. Kar Surveyor with effect from 10th November, 1970 and he is not entitled to any relief. I make my award accordingly. I make no order as to costs.

S. N. KATJU, Presiding Officer.

7-8-1973

[No. L-22012/9/72-LRII]

KARNAIL SINGH, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1973

का. आ. 2745.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि मास्टर स्टेवेडोर्स एसोसिएशन और कलकत्ता मास्टर स्टेवेडोर्स एसोसिएशन, कलकत्ता पोर्ट, कलकत्ता के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट मामलों के संबंध में एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या डॉक लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द की 7 अप्रैल, 1971 से 15 अगस्त, 1971 तक की अवधि के लिए, 16 अगस्त, 1971 से 31 मार्च, 1972 तक की अवधि के लिए संदत्त किए गये अनुपात से, उच्चतर दर से बोनस का संदाय किए जाने की मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो, संबंधित नियोजकों द्वारा उनको कितनी राशि संदत्त की जानी चाहिए ?"

[संख्या एल-32011/24/72-पी. एंड डी.]

ORDER

New Delhi, the 7th September, 1973

S.O. 2745.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Master Stevedores Association and Calcutta Master Stevedores Association at Calcutta Port, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand for payment of bonus for the period from 1st April, 1971 to 15th August, 1971 to Dock Clerical and Supervisory Staff at a rate higher than the pro-rata to what was paid for the period from 16th August, 1971 to 31st March, 1972, is justified ? If so, what should be the amount payable to them by the respective employers ?"

[No. L-32011/24/72-P&D]

नई दिल्ली 12 सितम्बर, 1973

का. आ. 2746.—यतः श्री पी. एम. नायडू को राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस से परामर्श करके भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 56, दिनांक 23 दिसम्बर, 1968 द्वारा विशाखापत्तनम पत्तन में श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए डाक कर्मकार सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय में श्री पी. एम. नायडू, विशाखापत्तनम पत्तन में उक्त डाक कर्मकारों के प्रतिनिधि नहीं रहे ;

अतः, अब, एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि यह समझा जाएगा कि श्री पी. एम. नायडू ने डाक कर्मचारी (सलाहकार

समिति) नियम, 1962 के नियम 6 के उप-नियम (5) के खण्ड (ङ) के अधीन अपना पद खाली कर दिया है।

[संख्या यू-20012/1/72-पी. एंड डी. (1)]

New Delhi, the 12th September, 1973

S.O. 2746.—Whereas Shri P. M. Naidu, was appointed as a member of the Dock Workers Advisory Committee, in consultation with the Indian National Trade Union Congress, by the notification of the Government of India, in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 56, dated the 23rd December, 1968 to represent Dock Workers in the Port of Visakhapatnam.

And whereas in the opinion of the Central Government, Shri P. M. Naidu has ceased to be a representative of the said dock workers of the port of Visakhapatnam.

Now, therefore, it is hereby notified that Shri P. M. Naidu is deemed to have vacated his office under clause (e) of sub-rule 5 of rule 6 of the Dock Workers (Advisory Committee) Rules, 1962.

[No. U. 20012/1/72-P&D(i)]

का. आ. 2747.—डॉक कर्मकार (सलाहकार समिति) नियम 1962 के नियम 3 के उप-नियम (3) के साथ पठित डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार श्री एम. वी. भद्रम, अध्यक्ष विशाखापत्तनम बन्दरगाह और पत्तन कर्मकार यूनियन को श्री पी. एम. नायडू के स्थान पर डाक कर्मकार सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 56, तारीख 23 दिसम्बर, 1968 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "गोदी कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों" शीर्षक के अन्तर्गत, मद (7) में "पी. एम. नायडू, पत्तन खलासी यूनियन (इण्टक), विशाखापत्तनम" प्रविष्टि के लिए "एम. वी. भद्रम, अध्यक्ष, विशाखापत्तनम बन्दरगाह और पत्तन कर्मकार यूनियन, विशाखापत्तनम" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी।

[संख्या यू-20012/1/72-पी. एण्ड डी (1)]

S.O. 2747.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), read with sub-rule (3) of rule 3 of the Dock Workers (Advisory Committee) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints Shri M. V. Bhadram, President Visakhapatnam Harbour and Port Workers Union, as a member of the Dock Workers Advisory Committee vice Shri P. M. Naidu and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 56, dated the 23rd December, 1968, namely:—

In the said notification, under the heading "Members representing the dock workers", in item (7) for the entry "P.M. Naidu Port Khalasis Union (INTUC), Visakhapatnam", the entry "M. V. Bhadram President, Visakhapatnam Harbour and Port Workers Union, Visakhapatnam" shall be substituted.

[No. U. 20012/1/72-P&D (ii)]

का. आ. 2748.—डॉक कर्मकार (सलाहकार समिति) नियम 1962 के नियम 3 के उप-नियम (3) के साथ पठित डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, श्री सुकुमार बोस, महा सचिव, पश्चिम बंगाल डाक मजदूर यूनियन, को श्री बादल गंगोपाध्याय के स्थान पर डाक कर्मकार सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 56 दिनांक 23 दिसम्बर, 1968 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "डॉक कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य" शीर्षक के अन्तर्गत मद्द (2) में, "श्री बादल गंगोपाध्याय" शब्दों के स्थान पर "श्री सुकुमार बोस" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[संख्या यू-20012/1/72-पी. एण्ड डी. (3)]

S.O. 2748.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), read with sub-rule (3) of rule 3 of the Dock Workers (Advisory Committee) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints Shri Sukumar Bose, General Secretary, West Bengal Dock Mazdoor Union, as a member of the Dock Workers Advisory Committee, vice Shri Badal Gangopadhyay and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 56, dated the 23rd December, 1968, namely:—

In the said notification, under the heading "Members representing the dock workers", in item (2), for the words "Shri Badal Gangopadhayay", the words, "Shri Sukumar Bose" shall be substituted.

[No. U. 20012/1/72-P&D (iii)]

का. आ. 2749.—यतः विशाखापत्तनम डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1959 में संशोधन करने के लिए एक प्रारूप-स्कीम, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा यथापेक्षित, भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3818, तारीख 3 अक्तूबर 1972 के अधीन, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (2), तारीख 4 नवम्बर, 1972 के पृष्ठ 5315 पर प्रकाशित की गई थी, जिसमें उससे संभाव्यतः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से उसके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समाप्ति तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ;

और यतः उक्त प्रारूप के बारे में जनता से कोई भी आक्षेप लब्ध करा दिया गया था ;

और यतः उक्त प्रारूप के बारे में जनता से कोई भी आक्षेप और सुझाव केन्द्रीय सरकार को प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, विशाखापत्तनम डॉक कर्मकार (निजन का विनियमन) स्कीम, 1959 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**—(1) इस स्कीम का नाम विशाखापत्तनम डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1973 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी ।

2. विशाखापत्तनम डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1959 में खण्ड 38 के उपखण्ड (2) में —

(1) मद (क) में, "रजिस्ट्रीकृत नियोजक को एक व्यक्ति आबंटन करें" शब्दों से प्रारंभ होने वाले और "बोर्ड को उसकी अगली बैठक में ऐसे नियोजन की सूचना दे" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"विशाखापत्तनम अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1968 के अधीन रजिस्ट्रीकृत नियोजक को सूचीबद्ध डाक कर्मकार का आबंटन करें" ;

(2) मद (ख) में, "खण्ड 40 और 41" शब्दों और अंकों के स्थान पर "खण्ड 40, 41, 44, 45 और 50" शब्द और अंक रखे जायेंगे ।

[सं. डी. 15011/2/72-डी. एंड डी]

S.O. 2749.—Whereas certain draft scheme to amend the Visakhapatnam Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1959 was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at page 5315 of the Gazette of India, part-II, section 3, sub-section (ii), dated the 4th November, 1972 under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No. S.O. 3818, dated the 3rd October, 1972 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of 45 days from the date of its publication in the Official Gazette.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 4th November, 1972.

And Whereas no objections and suggesions have been received from the public on the said draft by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme to amend the Visakhapatnam Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1959, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) This Scheme may be called the Visakhapatnam Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1973.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Visakapatnam Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1959, in clause 38, in sub-clause (2)—

(i) in item (a), for the portion beginning with the words "allocate to a registered employer a person" and ending with the words "inform the Board of such employment at its next meeting" the following shall be substituted, namely:—

"allocate to a registered employer a listed dock worker under the Visakhapatnam Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1968";

(ii) in item (b), for the words and figures "clauses 40 and 41" the words and figures "clauses 40, 41 44, 45 and 50' shall be substituted.

[No. V. 15011/2/72-P&D]

New Delhi, the 15th September, 1973

S.O. 2750.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Dinghee Boat Owners Association, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th August, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 3 of 1973

Parties :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Dinghee Boat Owners Association, Calcutta,

AND

Their Workmen.

Present :

Sri S. N. Bagchi, Presiding Officer.

Appearances :

On behalf of Employers—Sri Bipul Chandra Nag,

On behalf of Workmen—Sri Sk. Amirul Islam, Concerned workman.

State : West Bengal. **Industry :** Port.

AWARD

By Order No. L-32011/26/72-P&D, dated 23rd January, 1973, the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, referred the following dispute existing between the employers in relation to the management of Calcutta Port Dinghee Boat Owners Association, Calcutta and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely :

"Whether the action of Shri B. C. Nag, Boat Owner in terminating the services of Shri Sk. Amirul Islam, Manjee with effect from the 3rd September, 1972, is justified ? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference is being taken up today out of turn at the request of both the parties. Sri Bipul Chandra Nag on behalf of the management and Sk. Amirul Islam, Manjee the concerned workman have appeared and produced their respective identity cards. They have arrived at a compromise of the dispute referred to for adjudication and record in the memorandum of compromise only that there is "no dispute". Let it be recorded that in terms of the petition jointly filed by both the parties a 'No dispute' award is rendered.

This is my award.

August 23, 1973.

S. N. BAGCHI, Presiding Officer.

[No. L-32011/26/72-P &D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 15 सितम्बर 1973

का० आ० 2751.—यतः मैसर्स उड़ीसा कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन, लिमिटेड, एकक-8, भुवनेश्वर-3, उड़ीसा के प्रबन्धतन्त्र से सबन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों, जिनका प्रतिनिधित्व प्रदीप पत्तन श्रमिक संघ करती है, के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क के उपधारा (1) के अधीन एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थम के लिये निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम करार की

एक प्रति अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अधीन केन्द्रीय सरकार को भेजी है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उक्त माध्यस्थम करार को, जो उसे 24 अगस्त, 1973 को मिला था, प्रकाशित करती है।

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन करार जिसके बीच हुआ

पक्षकारों का नाम

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री बी० एम० दास, उप-निदेशक भारसाधक संख्या 4 मैसर्स उड़ीसा कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन लि०, एकक-8, भुवनेश्वर-3.

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री दुर्गा चरण त्रिपाठी, महा सचिव, प्रदीप पत्तन श्रमिक संघ (रजिस्ट्रीकरण संख्या 486/66), डाकघर प्रदीप पत्तन, जिला, कटक.

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित विवाद को श्री वीरेन्द्र चन्द्र पटनाइक, उप-निदेशक भारसाधक, संख्या 1 मैसर्स उड़ीसा कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड, क्वार्टर संख्या सी-2, एकक-8, भुवनेश्वर-3 के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

1. विनिर्दिष्ट विवाद ग्रस्त विषय : (क) क्या मैसर्स उड़ीसा कंस्ट्रक्शन करपोरेशन लिमिटेड को प्रदीप पत्तन परियोजनाओं में दैनिक दर वाले कर्मकारों ने 1972 के दौरान अतिकाल कार्य किया और यदि हां, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?

(ख) क्या निम्नलिखित कर्मचारियों, जिनका विवरण उनके नामों के सामने दिया गया है की छंटनी वैध रूप से की गई है? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं?

नाम	पदनाम	छंटनी की तारीख
1. सर्वेश्वर महापात्रा	सहायक भण्डारी	21-6-73 अपराह्न
2. दामोदर सामल	यथोक्त	यथोक्त
3. राजेन्द्र कुमार रठ	यथोक्त	यथोक्त
4. प्रताप कुमार पारिजा	यथोक्त	यथोक्त
5. रेवती कान्त दास	यथोक्त	यथोक्त
6. लोक नाथ रायगुरु	यथोक्त	यथोक्त
7. निमाई चरण पारिदा	यथोक्त	यथोक्त
8. दुर्गा चरण मिश्र	मेट	यथोक्त
9. नरेन्द्र कुमार मिश्र	यथोक्त	यथोक्त
10. आर० ए० रेड्डी	यथोक्त	यथोक्त
11. बनबिहारी पाण्डा	यथोक्त	यथोक्त
12. रवीन्द्रनाथ बिस्वाल	यथोक्त	यथोक्त
13. देतारी बेहरा	यथोक्त	यथोक्त
14. घनश्याम साहू	सहायक भंडारी	18-7-73 अपराह्न
15. प्रशान्त कुमार गौछायात	यथोक्त	यथोक्त
16. निशाकर दास	मेट	यथोक्त

(2) विवाद के पक्षकारों का विवरण जिसमें अंतर्वलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

1. मैसर्स उड़ीसा कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड, एकक-8, भुवनेश्वर-3 (नियोजक)
2. प्रदीप पत्तन श्रमिक संघ, (रजिस्ट्रीकरण संख्या 486/66), डाकघर प्रदीप पत्तन, जिला कटक (यूनियन)।

(3) कर्मकार का नाम यदि वह स्वयं विवाद में अन्तर्ग्रस्त है या संघ का नाम, यदि कोई हो, जो प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो। प्रदीप पत्तन श्रमिक संघ (रजिस्ट्रीकरण संख्या 486/66), डाकघर प्रदीप पत्तन, जिला कटक

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या 440

5. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या 240

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर आबद्ध कर होगा।

मध्यस्थ अपना पंचाट इस करार के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक मास की अवधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि ऊपर वर्णित अवधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम के लिये निर्देश स्वतः रद्द हो जायगा और हम नये माध्यस्थम के लिये बातचीत करने को स्वतन्त्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

1. नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

ह० बी० एम० दास
18-8-73

2. कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

ह० डी० सी० त्रिपाठी
18-8-73

साक्षी

1. ह० पी० के० सतपथी
18-8-73

2. ह० जी० माझी
18-8-73

[सं० एल० 38013/1/73-पी० एंड डी०]

वी० शंकरलिंगम, अवर सचिव

ORDER

S.O. 2751.— Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Orissa Construction Corporation Limited, Unit-8, Bhubaneswer-3, Orissa and their workmen as represented by Paradeep Port Shramik Sangh;

And, whereas, the said employers and their workmen have, by a written agreement under sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government, under sub-section (3) of section 10A of the said Act, a copy of the said arbitration agreement;

NOW, THEREFORE, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 24th August, 1973.

AGREEMENT UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

BETWEEN

Name of the parties:

Representing Employers: Shri B.M. Das, Deputy Director-in-charge No. IV, Messrs Orissa Construction Corporation Ltd., Unit-8, Bhubaneswar-3.

Representing workmen: Shri Durga Charan Tripathy, The General Secretary, Paradip Port Shramik Sangh (Regd. No. 486/66), P.O. Paradip Port, District, Cuttack.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Sri Birendra Chandra Patnaik, Deputy Director-in-Charge, No. I, Messrs Orissa Construction Corporation Limited, Quarter No. C-2, Unit-8, Bhubaneswar-3.

(i) Specific matters in dispute.

(a) Whether the daily rated workmen of Messrs Orissa Construction Corporation Limited, at their Paradip Port Projects, worked on overtime during 1972 and if so, to what relief they are entitled?

(b) Whether the retrenchment of the following employees as per particulars given against them has been done legally? If not, to what relief they are entitled?

Names	Designation	Date of retrenchment
1. Sarbeswar Mohapatra	Asst. Store Keeper	21-6-1973 A.N.
2. Damodar Samal	-do-	21-6-1973 A.N.
3. Rajendra Kumar Ratha	-do-	21-6-1973 A.N.
4. Pratap Kimar Parija	-do-	21-6-1973 A.N.
5. Rebati Kanta Dash	-do-	21-6-1973 A.N.
6. Lokanath Raiguru	-do-	21-6-1973 A.N.
7. Nimai Charan Parida	-do-	21-6-1973 A.N.
8. Durga Charan Mishra	Mate	21-6-1973 A.N.
9. Narendra Kumar Mishra	-do-	21-6-1973 A.N.
10. R.A. Reddy	-do-	21-6-1973 A.N.
11. Banabihari Panda	-do-	21-6-1973 A.N.
12. Rabindranath Biswal	-do-	21-6-1973 A.N.
13. Daltary Behara	-do-	21-6-1973 A.N.
14. Ghanasyam Sahoo	A.S.K.	18-7-1973 A.N.
15. Prasanta Kumar Gochhayat	-do-	18-7-1973 A.N
16. Nisakar Das.	Mate	18-7-1973 A.N.

(ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved.
1. Messrs Orissa Construction Corporation Limited, Unit-8, Bhubaneswar-3. (Employer).
2. Paradip Port Shramik Sangh (Regd. No. 486/66), P.O. Paradip Port, District, Cuttak (Union).

(iii) Name of the workmen in case he himself is involved in the dispute or the name of the union, if any, representing the workmen in question. Paradip Port Sharmik Sangh (Regd. No. 486/66) P.O. Paradip Port, District, Cuttack.

(iv) Total number of workmen employed in the undertaking affected. 400.

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute. 240.

We further agree that the decision of the arbitrator be binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of one month from the date of publication of this agreement in the Gazette of India or within such further time as it extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to the arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Signature of the parties.

1. Representing Employers:
Sd/-B. M. Das
18-8-73.

2. Representing Workmen:
Sd/-D. C. Tripathy
18-8-73.

Witnesses:

1. Sd/-P. K. Satpathy
18-8-73.

2. Sd/-G. Majhee
18-8-73.

[No. L-38013/1/73-P&D]

V. SANKARALINGAM Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1973

का. आ. 2752.—लौह अयस्क खान श्रमिक कल्याण उपकर नियम, 1963 के नियम 31 के साथ पठित लौह अयस्क खान श्रमिक कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार अपर श्रम आयुक्त, मैसूर सरकार, बंगलौर को लौह अयस्क खान उपकर आयुक्त विनिर्दिष्ट करती है, जो 24 अप्रैल, 1973 के पूर्वाह्न से मैसूर राज्य में उक्त अधिनियम के अधीन उद्ग्रहीत उपकर के निर्धारण और संग्रहण के लिए उत्तरदायी होगा और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2790, तारीख 19 सितम्बर, 1963 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, मद 5 के सामने, स्तम्भ (1) में "संयुक्त श्रम आयुक्त, बंगलौर" प्रविष्टि के स्थान पर "अपर श्रम आयुक्त, बंगलौर" प्रविष्टि रखी जाएगी ।

स्पष्टीकरण ज्ञापन :

अधिसूचना सं. का. आ. 2340, तारीख 3-5-71 के साथ पठित भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2790, तारीख 19-9-63 में, संयुक्त श्रम आयुक्त, मैसूर सरकार, बंगलौर को 1 फरवरी 1971 के पूर्वाह्न से मैसूर राज्य में लौह अयस्क खान श्रमिक कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) के अधीन उद्ग्रहीत उपकर के निर्धारण और संग्रहण के प्रयोजनों के लिए लौह अयस्क खान उपकर आयुक्त विनिर्दिष्ट किया गया था । संयुक्त श्रम आयुक्त, मैसूर सरकार के पद को 24 अप्रैल, 1973 से मैसूर सरकार द्वारा अपर श्रम आयुक्त के रूप में पुनः पदाभिहित किया गया है । इस लिए अपर श्रम आयुक्त, मैसूर सरकार को 24

अप्रैल, 1973 से उपर्युक्त अधिनियम के अधीन उद्ग्रहीत उपकर के निर्धारण और संग्रह के प्रयोजनों के लिए लौह अयस्क खान उपकर आयुक्त के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना आवश्यक हो गया है। वर्तमान मामले में 24 अप्रैल, 1973 से पद की नाम पद्धति में परिवर्तन से यह अनिवार्य हो जाता है कि इस अधिसूचना को भूत-लक्षी प्रभाव दिया जाए। इस कार्रवाई से किसी भी व्यक्ति का हित प्रतिकूल प्रभावित नहीं होगा।

[सं. ए. 11016/4/73-एम-4]

बी. के. सक्सेना, अवर सचिव,

New Delhi, the 11th September, 1973

S.O. 2752.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 (58 of 1961), read with rule 31 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Rules, 1963, the Central Government hereby specifies the Additional Labour Commissioner, Government of Mysore, Bangalore to be the Iron Ore Mines Cess Commissioner who shall be responsible for the assessment and collection of the cess levied under the said Act in the State of Mysore with effect from the forenoon of the 24th April, 1973 and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2790 dated the 19th September, 1963, namely :

In the Schedule to the said notification, against Item 5, in column (1) for the entry "Joint Labour Commissioner, Bangalore" the entry "Additional Labour Commissioner, Bangalore" shall be substituted.

Explanatory Memorandum

In the late Ministry of Labour and Employment notification No. S.O. 2790 dated 19-9-63 read with notification No. S.O. 2340 dated 3-5-71, the Joint Labour Commissioner, Government of Mysore, Bangalore was specified to be the Iron Ore Mines Cess Commissioner, for purposes of assessment and collection of the cess levied under the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 (58 of 1961) in the State of Mysore with effect from the forenoon of the 1st February, 1971. The post of Joint Labour Commissioner, Government of Mysore has been redesignated as Additional Labour Commissioner by the Government of Mysore with effect from the 24th April, 1973. As such it has become necessary to specify the Additional Labour Commissioner, Government of Mysore as the Iron Ore Mines Cess Commissioner for the purposes of assessment and collection of the cess levied under the aforesaid Act with effect from 24th April, 1973. In the instant case change in the nomenclature of the post from the 24th April, 1973 makes it inevitable to give retrospective effect to this notification. By this action nobody's interest would be prejudicially affected.

[No. A. 11016/4/73-M. IV]

B. K. SAKSENA, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-6, 1973